नई दिल्ली ■ मंगलवार 28 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 30 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 महिलाओं का बज रहा हर क्षेत्र में डंका | 07 भारत थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में | केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं : काजोल 08

पश्चिम बंगाल विस चुनाव के अंतिम चरण का प्रचार थमा, 29 अप्रैल को मतदान

नई दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार सोमवार शाम थम गया।राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा की बाकी 142 सीटों पर बुधवार (29 अप्रैल) को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। प्रथम चरण के 23 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान कई मतदान केंद्रों पर हिंसा को देखते हुए इस बार सुरक्षा के और कड़े प्रबंध किए गए हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक इस चरण में कोलकाता, हावड़ा, नादिया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली और पूर्व बर्धमान की सीटों पर मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण में लगभग 40 हजार मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चरण में कई संवेदनशील क्षेत्र भी शामिल हैं, जिसके चलते चुनाव आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती है। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की कुल 2,348 कंपनियां तैनात की जाएंगी।

इनमें सबसे अधिक 507 कंपनियां उत्तर 24 परगना जिले में तैनात होंगी। बांग्लादेश से सटी लंबी तटीय सीमा और सुंदरबन क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना जिलों में तटीय गश्त और सुरक्षा निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने सीमा क्षेत्रों में विशेष चौकसी और सुरक्षा बंदोबस्त किए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बैरकपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दो बड़े रोड शो किए। पहला बेहाला थाना से मंटन तक और दूसरा हुगली के चंदननगर बागबाजार क्षेत्र में आयोजित किया गया। रोड शो के दौरान अमित शाह ने राज्य सरकार पर निशाना साधा और भाजपा उम्मीदवारों के

पक्ष में समर्थन मांगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी जादवपुर और टॉलीगंज के प्रत्याशियों के समर्थन में जादवपुर के सुकांत सेतु से जनसभा मार्च में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने अपने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में भी जनसभा की। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राणाघाट, हुगली, आरामबाग और महेशतला में व्यापक प्रचार किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी चार चुनावी कार्यक्रमों में भाग लिया।

उन्होंने उत्तर 24 परगना के कल्याणी विधानसभा क्षेत्र में रोड शो से शुरुआत की, इसके बाद हुगली के धानेखाली में जनसभा को संबोधित किया। फिर कोलकाता के दमदम विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया और अंत में राजारहाट गोपालपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। पश्चिम बंगाल में पिछले एक महीने से चुनावी माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ था। रैलियों, रोड शो, जनसभाओं और तीखे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच सोमवार शाम प्रचार थमने के साथ अब फैसला मतदाताओं के हाथ में आ गया है।

उल्लेखनीय है कि 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के मतदान में पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड 93.19 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था, जिसने राज्य में चुनावी उत्साह को और स्पष्ट कर दिया। इस अभूतपूर्व मतदान प्रतिशत ने राजनीतिक दलों की रणनीतियों और चुनावी समीकरणों को भी प्रभावित किया है। अब सभी की नजरें 29 अप्रैल के मतदान और 4 मई को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के साथ-साथ केरल की 140, असम की 126, तमिलनाडु की 234 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों के लिए हुए मतदान की मतगणना भी इसी दिन होगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल के इस सियासी 'खेला' का अंतिम परिणाम 4 मई को सामने आएगा। पहले चरण के रिकॉर्ड मतदान ने सभी कयासों को बदल दिया है, जिससे मुकाबला बेहद दिलचस्प और कांटे का हो गया है। राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम जनता की निगाहें अब 29 अप्रैल के मतदान और अंतिम परिणाम पर टिकी हैं।

हालांकि, सत्ता की असली तस्वीर 4 मई को मतगणना के बाद ही साफ होगी, जब यह तय होगा कि बंगाल की बागडोर किसके हाथों में जाएगी।

चार मई के बाद बंगाल में शुरू होंगे रोजगार से जुड़े पांच काम : नरेंद्र मोदी

बैरकपुर। पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से एक बड़ा वादा किया। सोमवार को बैरकपुर में रोड शो के बाद चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि चार मई के बाद पश्चिम बंगाल में रोजगार से जुड़े पांच काम तेजी से शुरू होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सबसे पहले, बंगाल में सरकारी भर्ती की घोषणा समय पर और पारदर्शी तरीके से आयोजित की जाएगी और युवाओं को नौकरी मेले में नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। दूसरा, सभी रिक्त पदों को जल्द ही भरा जाएगा। सरकारी कर्मचारी तृणमूल के डर से मुक्त होंगे। सरकारी कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग का पूरा लाभ मिलेगा। तीसरा, रचनात्मक अर्थव्यवस्था पनपेगी। बंगाल के स्कूलों और कॉलेजों में सामग्री निर्माता प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए काम किया जाएगा। चौथा, गांवों में 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा। भाजपा सरकार वीबी-जी रामजी अधिनियम लागू करेगी, जिससे गांवों में रोजगार मिलेगा। इसके अलावा यहां पीएम विश्वकर्मा योजना और पीएम संपदा योजना को पूरी तरह से लागू किया जाएगा। पांचवां-शहर के रेहड़ी-पटरी वालों को पीएम स्वनिधि योजना का पूरा लाभ मिलेगा और बैंक से मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पिछले कुछ महीनों में बैरकपुर औद्योगिक क्षेत्र में लगभग एक दर्जन जूट मिलें बंद हो गई हैं। एक ओर रोजगार पैदा करने वाले कारखाने बंद हो रहे हैं तो दूसरी ओर बम कारखाने फल-फूल रहे हैं और गुंडों का उपयोग करके जमीनी सिंडिकेट का विस्तार हो रहा है। यह तृणमूल का महान जंगल राज है! मोदी ने कहा कि इस चुनाव में एक बात ने मुझे बहुत चिंतित किया है कि टीएमसी नेताओं ने 'मां, माटी, मानुष' का नाम भी नहीं लिया है। इसी नारे पर बंगाल में तृणमूल ने सरकार बनाई थी, लेकिन अब ऐसा लगता है कि वह इसे भूल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 15 साल से लोगों ने तृणमूल कांग्रेस को अवसर दिया हैं, लेकिन उन्होंने 'मां' के लिए, महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने 'मिट्टी' या किसानों के लिए कुछ नहीं किया है। इसी तरह, उन्होंने युवाओं की उपेक्षा की है। उनकी जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने में तृणमूल सरकार पूरी तरह विफल रही है।

भारत, न्यूजीलैंड ने FTA पर किए हस्ताक्षर

100 फीसदी भारतीय निर्यात टैक्स-फ्री

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के मकसद से मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर सोमवार को हस्ताक्षर किए।

इस समझौते पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत और न्यूजीलैंड ने आज एक मुक्त व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। इस समझौते पर न्यूजीलैंड के दौरे पर आए व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच नई दिल्ली में हुए इस ऐतिहासिक समझौते का उद्देश्य द्विवार्षिक व्यापार को पांच वर्षों में दोगुना करके 5 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इस समझौते के तहत भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि भारतीय पेशेवरों के लिए भी नए अवसर खुलेंगे। इस समझौते से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों के काफी मजबूत होने की उम्मीद है।

राज्य सभा में भाजपा के सांसदों की संख्या हुई 113

नई दिल्ली। राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ताकत और बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा समेत सात सांसदों को राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसके बाद राज्यसभा में भाजपा सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है। सोमवार को राज्यसभा सचिवालय द्वारा सदन में सभी दलों के सांसदों की अद्यतन सूची जारी की गई, जिसमें इन सातों नेताओं के नाम भाजपा सांसदों की सूची में शामिल कर दिए गए। इससे भाजपा को उच्च सदन में और अधिक राजनीतिक मजबूती मिली है। उल्लेखनीय है कि 24 अप्रैल को आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों में राघव चड्ढा, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप कुमार पाठक, डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं। ये सभी अब आधिकारिक रूप से भाजपा संसदीय दल का हिस्सा बन चुके हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि की।

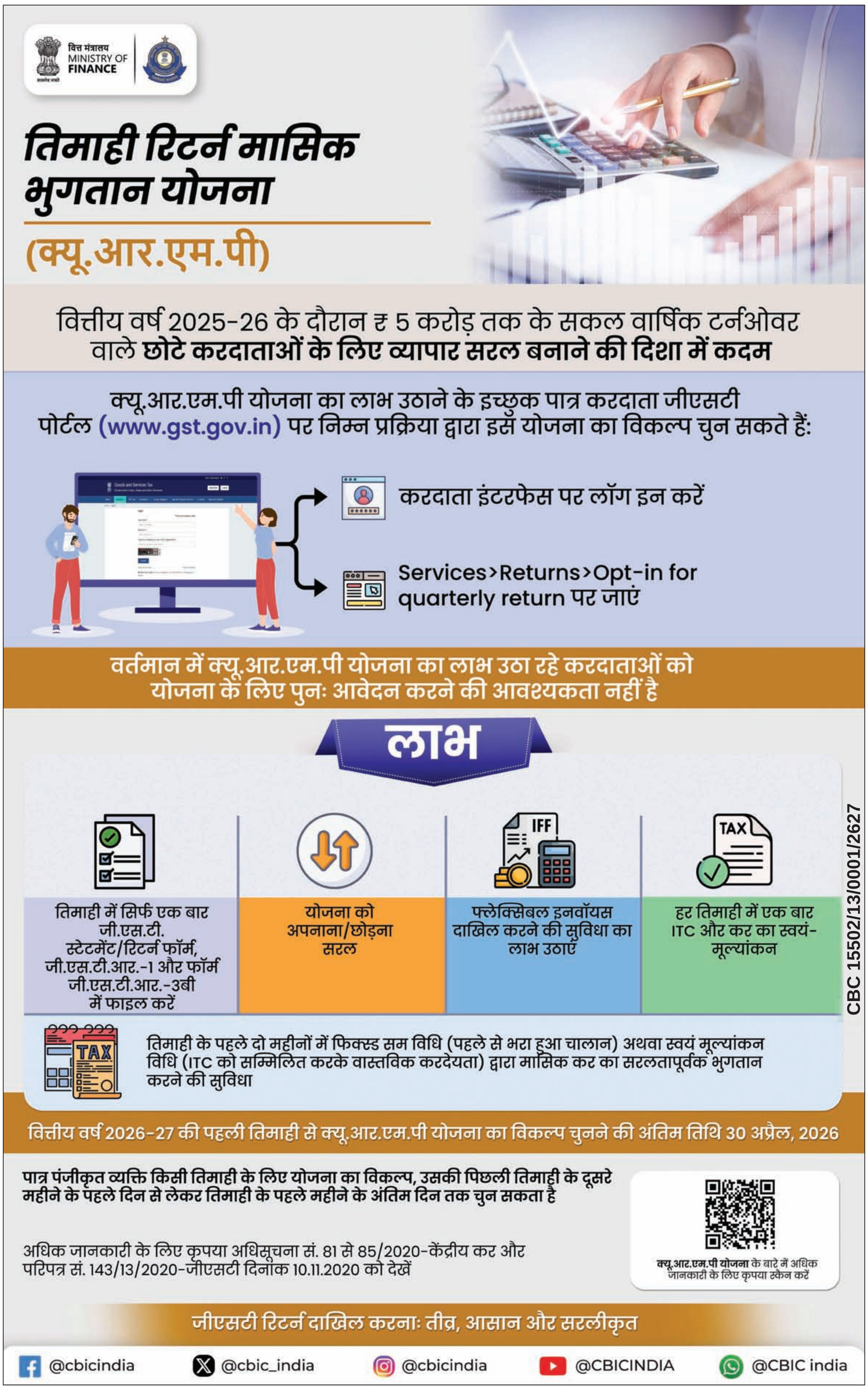

साइबर अपराधियों ने बुजुर्ग को 16 दिनों तक किया डिजिटल अरेस्ट, 85 लाख की ठगी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में मनी लांड्रिंग के केस में फंसाने की धमकी देकर एक 84 वर्षीय बुजुर्ग को 16 दिनों तक साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 85 लाख रुपये की ठगी कर ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है। साइबर क्राइम थाने के प्रभारी विजय राणा ने सोमवार को बताया कि बीती रात को केंद्रीय विहार सेक्टर 51 निवासी धीरेंद्र कुमार ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्हें 8 अप्रैल को एक फोन आया।

फोन करने वाले ने उनसे कहा कि आपका आधार कार्ड का इस्तेमाल करके 16 जनवरी को एक मोबाइल फोन खरीदा गया है। उस फोन का गलत कामों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इस काल पर उसके बाद साइबर सेल वालों ने संदीप दीवान और प्रवीण कुमार नामक दो आदमी से बात करवाई। उन्होंने कहा कि दोनों बेंगलुरु के साइबर क्राइम थाने से बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपके मोबाइल का गलत इस्तेमाल हुआ है। इसलिए उन पर केस किया गया है तथा इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। उन्होंने एक एफआईआर का नंबर भी बताया। उन्होंने कहा कि आप पर मनी मनी लॉन्ड्रिंग और बच्चों की तस्करी में शामिल होने का आरोप है।

उन्होंने बताया कि आरोपितों ने उन्हें आठ अप्रैल को डिजिटल अरेस्ट कर लिया तथा उनसे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जांच के लिए सीबीआई अधिकारियों के कमेटी बनाई है। उन्हे धमकाया गया कि उन्हें हथकड़ी लगाई जाएगी। उनके फ्लैट और उनकी रकम जब्त कर ली जाएगी। इसी बीच सीबीआई एसपी प्रवीण कुमार को इस मामले को सौंपा दिया गया है। पीड़ित के अनुसार उन्होंने उन्हें डिजिटल अरेस्ट रखते हुए ऑनलाइन पूछताछ की। उनके अकाउंट की जानकारी ली। पता किया कि किस अकाउंट में कितनी रकम है।

पीड़ित के अनुसार उनकी सभी एफडी और सेविंग को एक बैंक में मर्ज करने के लिए कहा गया, तथा उनसे विभिन्न बार में 85 लाख रुपया आरोपितों ने अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिया। उनसे कहा गया की जांच के दौरान अगर आप सही पाए जाओगे तो आपकी रकम को वापस कर दिया जाएगा।

पीड़ित के अनुसार आखिरी बार कथित सीबीआई के एसपी ने उनसे 22 अप्रैल को बात की। उन्होंने सीबीआई का एक वेरीफिकेशन लेटर दिखाया, जिसमें कहा गया कि वह भी एक सस्पेक्ट है। इसके अलावा उन्होंने हथकड़ी लगाने और प्रॉपर्टी जप्त होने से बचाने के लिए एक करोड़ 24 लाख रुपये जमा करने के लिए कहा। पीड़ित ने जब कहा कि उसके पास इतने पैसे नहीं है तो उन्हें तथा उनकी पत्नी को गिरफ्तार करने की धमकी दी गई। पीड़ित के अनुसार उन्हें शक हुआ तथा उन्होंने बीती रात को इस मामले में साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी

नोएडा। थाना सूरजपुर क्षेत्र के पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी में रहने वाली एक महिला के घर का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने घर से लाखों रुपये कीमत की जेवरात, नकदी और अन्य सामान चोरी कर लिया। महिला अपने बेटे को डॉक्टर को दिखाने गई थी। इसी बीच यह वारदात हुई। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने सोमवार को बताया कि बीती रात को अनामिका ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसायटी के एक में रहती हैं। पीड़िता के अनुसार वह अपने बेटे को डॉक्टर को दिखाने के लिए घर से गई थी। इसी बीच अज्ञात बदमाशों ने उनके घर का ताला तोड़कर उनके घर की अलमारी में रखे हुए लाखों रुपये कीमत के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, 25 हजार वर्ग मीटर जमीन मुक्त

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सोमवार को बिसरख क्षेत्र के डूब क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान प्राधिकरण की टीम ने अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त करते हुए करीब 25 हजार वर्ग मीटर जमीन को कब्जे से मुक्त कराया। प्राधिकरण द्वारा की जा रही कार्रवाई से भू-माफिया सकते में हैं।

जानकारी के अनुसार, कालोनाइजर डूब क्षेत्र में बाउंड्री बनाकर अवैध कॉलोनी विकसित करने का प्रयास कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान वर्क सर्किल-3 की टीम ने खसरा संख्या 333 और 334 पर किए गए अतिक्रमण को पूरी तरह हटाया। प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने स्पष्ट किया कि अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से पूरी जानकारी अवश्य लें, ताकि अवैध कॉलोनियों में निवेश से बचा जा सके।

कार्रवाई के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर, प्रबंधक प्रशांत समाधिया सहित प्राधिकरण की टीम मौजूद रही। अवैध प्लॉटिंग करने वालों को चेतावनी दी गई है कि दोबारा निर्माण करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि प्राधिकरण की ओर से इससे पहले तिलपता, रोजा याकूबपुर, खेड़ा चौगानपुर और चिपियाना बुजुर्ग क्षेत्रों में भी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जा चुका है।

इंजीनियर की कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप और कीमती सामान चोरी

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र से अज्ञात बदमाशों ने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार का शीशा तोड़कर उसमें रखे लैपटॉप और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया है। पीड़ित ने चोरी की शिकायत पुलिस में की। थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने सोमवार को बताया कि सौरभ पाल ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपनी कार में सवार होकर आम्रपाली ड्रिल बैली सोसाइटी में गए थे। कार वहां पर पार्क की और काम से चले गए। जब वह कुछ देर बाद वापस आए तो उन्होंने देखा कि अज्ञात बदमाशों ने उनकी कार का शीशा तोड़कर उनकी कार में रखा हुआ लैपटॉप उनकी कंपनी टीसीएस का आईडी कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंडस्ट्रियल सेक्टर के लिए नया पुलिस सिस्टम बना, पुलिस उपायुक्त औद्योगिक का पद सृजित

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में स्थित 15 हजार से ज्यादा राष्ट्रीय/ बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने वाले 4 लाख से ज्यादा श्रमिकों और उद्योगपतियों की समस्याओं के निदान के लिए पुलिस आयुक्त ने गौतम बुद्ध नगर द्वारा पुलिस उपायुक्त इंडस्ट्रियल का पद सृजित किया है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने सोमवार को बताया कि के कमिश्नरेट गौतम बुद्धनगर पुलिस के तीनों जोनों में लगभग पन्द्रह हजार रजिस्टर्ड औद्योगिक इकाइयाँ है। जिनमें लघु उद्योग, मध्यम उद्योग तथा बृहद इकाइयाँ एवं बहुराष्ट्रीय तथा विभिन्न प्रकार के औद्योगिक प्रतिष्ठान शामिल हैं। जिनमें लगभग चार लाख श्रमिक कार्यरत होने के कारण इंडस्ट्रीज सेक्टर एक महत्वपूर्ण जोन बनकर उभरा है। लघु, मध्यम तथा अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां, जिनमें जिला स्तरीय, प्रदेश स्तरीय, राष्ट्रीय स्तरीय एवं मल्टीनेशनल स्तरीय इकाइयां हैं, इनमें लगातार संवाद स्थापित करने, विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करने, श्रमिक संगठनों, श्रमिक समूहों तथा श्रमिकों से सीधा संवाद स्थापित करने, उनकी शिकायतों के सम्यक निवारण के लिए, उत्तर प्रदेश सरकार तथा भारत सरकार द्वारा लागू सभी कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु एवं अलग-अलग जोनों की पुलिस को उनके क्षेत्र की समस्याओं के विषय में तत्काल सूचित करते हुए अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करने के लिए पुलिस उपायुक्त, इंडसंट्रियल का पद तदर्थ आधार पर कार्य करने हेतु निर्देशित किया जाता है।

उन्होंने बताया कि उनके अधीनस्थ सहायक पुलिस आयुक्त इंडस्ट्रीज, 3 निरीक्षक तथा अलग-अलग रैंकों के 25 अधिकारी/कर्मचारीगण कार्यरत रहेंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस उपायुक्त इंडस्ट्रीज का सीयूजी नम्बर - 8595902508 रहेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव को अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था एवं पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा विस्तृत रूप से तैयार कर स्थायीकरण हेतु तीन दिवस के अंदर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं गृह विभाग उत्तर प्रदेश शासन को भेजेंगे। साथ ही, अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था द्वारा एक विस्तृत एसओपी तैयार कराकर जारी करेंगे। उन्होंने बताया कि यह सेल तत्काल प्रभाव से कार्य करना प्रारंभ करेगा

मशीन में लगी आग से पांच श्रमिक झुलसे, इलाज के दौरान एक की मौत

नोएडा। थाना ईकोटेक-प्रथम में एक व्यक्ति ने सोमवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक कंपनी के मालिकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की लापरवाही के चलते उनके चाचा और कंपनी में काम करने वाले चार लोग काम करते समय मशीन मे आग लगने की वजह से जल गए। उपचार के दौरान बीती रात को उसके चाचा की मौत हो गई। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस आयुक्त ग्रेटर नोएडा डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने बताया की सोमवार को संचित त्यागी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह ग्राम भनेड़ा जनपद गाजियाबाद के रहने वाले हैं। पीड़ित के अनुसार उनके चाचा प्रदीप कुमार करीब 4 साल से थाना ईकोटेक-प्रथम क्षेत्र में स्थित डीएफएम फूड्स लिमिटेड में फीटर के पद पर कार्यरत थे। चाचा ने कंपनी में खराब मशीनों के बारे में प्रबंधन को बताया था।

उन्होंने आशंका व्यक्त की थी कि अगर मशीन ठीक नहीं हुई तो किसी कर्मचारी की जान जा सकती है। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार कंपनी प्रबंधन ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया इसी बीच 17 अप्रैल को काम करते समय उनके चाचा और चार अन्य लोग कंपनी की मशीन के अंदर लगी आग से झुलस गए। उन्हें उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर 26 अप्रैल की देर रात को उनके चाचा मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार इस घटना में जले चार कर्मचारियों का उपचार चल रहा है। पीड़ित की शिकायत पर डीएफएम फूड्स लिमिटेड कंपनी के मालिक एवं वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा के अलग-अलग जगहों पर दो कारों में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

नोएडा। नोएडा के थाना फेस- तीन क्षेत्र के गढ़ी-चौखंडी गांव के पास सोमवार सुबह को दो कारों में अचानक आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। तब तक कारें पूरी तरह से जल चुकी थी।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सोमवार सुबह को पुलिस को सूचना मिली कि थाना फेस- 3 क्षेत्र के सेक्टर 121 के गढ़ी-चौखंडी गांव के पास अजनारा सोसाइटी के समीप खड़ी एक होंडा इमेज कार में अचानक आग लग गई है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि कार पूरी तरह से जल चुकी है। उन्होंने बताया कार बिजली खंभे के पास खड़ी थी। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बिजली की तार में हुई स्पार्किंग की वजह से चिंगारी गिरी और कार में आग लग गई। उन्होंने बताया कि दमकल पुलिस आग के कारण का पता लग रही है। इस घटना के चलते मौके पर काफी देर तक अपरा तफरी का माहौल रहा।

मुख्य दमकल अधिकारी ने बताया कि सोमवार दोपहर को सेक्टर 121 के पास एक ककर रेनॉल्ट ट्राइबल में आग लग गई। उन्होंने बताया कि यह गाड़ी परथला से एफएनजी रोड की तरफ जा रही थी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि कार पूरी तरह से जल गई है। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जन हानि नहीं है। उन्होंने बताया कि कार में 6 लोग बैठे थे, जिन्हें सकुशल बाहर निकाल दिया गया।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई भारी मात्रा में अवैध शराब को किया नष्ट

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के अंतर्गत थाना बिसरख पुलिस ने माननीय न्यायालय के आदेशानुसार बड़ी कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिनियम से जुड़े मामलों में जब्त भारी मात्रा में अवैध शराब को नष्ट कराया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे माल निरस्तीकरण अभियान के तहत की गई। पुलिस उपायुक्त एवं अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा के पर्यवेक्षण में सहायक पुलिस आयुक्त सेंट्रल नोएडा द्वितीय, प्रभारी निरीक्षक थाना बिसरख और आबकारी निरीक्षक गौतमबुद्धनगर की मौजूदगी में यह प्रक्रिया पूरी हुई। थाना बिसरख में वर्ष 2024-25 के दौरान आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज 110 अभियोगों से संबंधित करीब 4000 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब, 1150 लीटर अवैध बीयर और 500 लीटर अवैध देशी शराब को नष्ट किया गया। शराब को रोड रोलर से तोड़कर और गड्ढा खुदवाकर मिट्टी में दबाकर पूरी तरह समाप्त किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध शराब के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध कारोबार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

हीट वेव के बीच स्कूलों का समय बदला, आदेश देर से पहुंचने पर अभिभावक परेशान

गौतमबुद्धनगर। जिले में बढ़ती गर्मी और लू (हीट वेव) के गंभीर प्रभाव को देखते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने रविवार देर रात स्कूलों के संचालन समय में संशोधन का आदेश जारी किया। जिलाधिकारी के निर्देश पर जारी इस कार्यालय आदेश के अनुसार अब जनपद के सभी परिषदीय, अशासकीय, राजकीय विद्यालयों तथा सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी, यूपी बोर्ड सहित सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों में कक्षाओं का संचालन सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगा। यह समय अग्रिम आदेशों तक लागू रहेगा।

हालांकि, रविवार की देर रात जारी इस आदेश का पत्र स्कूलों तक सोमवार सुबह समय पर नहीं पहुंच पाया। ऐसे में अभिभावकों और छात्रों को भारी उलझन का सामना करना पड़ा। सोमवार सुबह कई स्कूलों में अभी भी पुराने समय के अनुसार ही कक्षाएं शुरू हुईं। अभिभावकों का कहना है कि प्रशासन की ओर से उन्हें किसी भी माध्यम से समय पर जानकारी नहीं दी गई। एक अभिभावक ने बताया, "बच्चे छोटे हैं, ऐसी गर्मी में नए समय के बारे में कुछ पता नहीं था। हम स्कूल गए तो पता चला कि समय बदल गया है, लेकिन स्कूल प्रशासन भी असमंजस में था।" जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार की ओर से जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अत्यधिक तापमान और लू के कारण बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समय में यह बदलाव किया गया है।

आदेश की प्रतियां जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, नगर मजिस्ट्रेट, तहसील सदर/ दादरी/ जेवर के उपजिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला सूचना अधिकारी, मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक, प्रथम मंडल मेरठ), वित्त एवं लेखाधिकारी, सभी खंड शिक्षा अधिकारी, समस्त प्रधानाचार्यों को भेजी गई हैं।

बावजूद इसके, प्रशासनिक स्तर पर संचार की विफलता से अभिभावकों और छात्रों को परेशानी उठानी पड़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है, ऐसे में समय पर आदेश का पालन सुनिश्चित कराना जरूरी है। अभिभावकों ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि भविष्य में इस तरह के बदलावों की सूचना व्हाट्सएप, एसएमएस या स्कूलों के माध्यम से पहले ही दे दी जाए।

दिल्ली सरकार 1300 श्रद्धालुओं को सोमनाथ दर्शन के लिए भेजेगी: गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को बताया कि "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व – सोमनाथ यात्रा" के तहत 1300 श्रद्धालुओं को लेकर सोमनाथ के दर्शन कराने के लिए एक विशेष ट्रेन 30 अप्रैल को यहां से रवाना होगी।

इस यात्रा को सनातन संस्कृति और अपनी आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ने का पावन अवसर बताते हुए गुप्ता ने कहा कि सोमनाथ धाम भगवान शिव की अनंत कृपा, सनातन आस्था और भारत की अमर सांस्कृतिक चेतना का दिव्य प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "हमारी सरकार द्वारा दिल्लीवासियों के लिए "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व–सोमनाथ यात्रा" का आयोजन किया जा रहा है। यह पावन पहल सोमनाथ स्वाभिमान पर्व – 1000 वर्षों की अखंड आस्था को समर्पित है।" गुप्ता ने बताया कि 30 अप्रैल को दिल्ली के 1300 श्रद्धालुओं को लेकर एक विशेष ट्रेन दिल्ली

के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से सोमनाथ धाम के लिए रवाना होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ट्रेन अगले दिन सुबह सोमनाथ पहुंचेगी और एक, दो और तीन मई को श्रद्धालु बाबा सोमनाथ के दर्शन करेंगे तथा आसपास स्थित अन्य मंदिरों के भी दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल दर्शन की यात्रा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, भारतीय परंपरा और अपनी आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ने का पावन अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा, "सोमनाथ की कृपा से सनातन मूल्यों का प्रकाश बढ़े, संस्कृति समृद्ध हो और जनसेवा का भाव सुदृढ़ हो, यही हमारी प्रार्थना और प्रतिबद्धता है।" गुप्ता के मुताबिक, श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था गुजरात सरकार द्वारा की जाएगी।

भीषण गर्मी को लेकर दिल्ली सरकार ने एक सप्ताह के भीतर कार्य योजना लागू करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते तापमान और आगामी भीषण लू की संभावनाओं को देखते हुए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उपराज्यपाल ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के साथ तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि भीषण गर्मी से निपटने के लिए तैयार की गई कार्ययोजना को अगले एक सप्ताह के भीतर जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। ज़िला मजिस्ट्रेटों से कहा गया है कि वे इसके क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाएं और सार्वजनिक स्थानों पर लू से बचाव के कड़े उपायों का इतंजाम किया जाए। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और मजदूर की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके अलावा अत्यधिक गर्मी की स्थितियों में शहर के पक्षियों तथा जानवरों की देखभाल के महत्व पर भी ज़ोर देने और प्रगति की बारीकी से निगरानी करने का आदेश दिया गया। उपराज्यपाल ने प्रत्येक विभागों से आपसी तालमेल के साथ अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने और सभी नागरिकों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल संधू से मुलाकात की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा, "उपराज्यपाल संधू से शिष्टाचार भेंट की। इसी दौरान उनसे दिल्ली में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं, जनहित कार्यों और प्रशासनिक समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।" उन्होंने बताया कि दिल्ली के सर्वांगीण विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं और तेज गति से प्रगति कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य जारी है।

दिल्ली में बढ़ते तापमान के साथ आग की घटनाएं तेज, आरडब्ल्यूए और बिजली कंपनियों की चेतावनी

नई दिल्ली। राजधानी में पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि के साथ आग लगने की घटनाओं में भी तेजी दर्ज की गई है। इस स्थिति को देखते हुए विभिन्न आवासीय कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) और बिजली कंपनियों ने लोगों के लिए सावधानी संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कन्फेडरेशन ऑफ ईस्ट दिल्ली आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष रोहित अरोड़ा ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा उपायों का पालन करने की अपील की है। रोहित अरोड़ा ने बताया कि गर्मी बढ़ने के कारण बिजली उपकरणों पर दबाव बढ़ जाता है, जिससे ट्रांसफार्मर, तारों और अन्य उपकरणों में खराबी या चिंगारी की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में लोगों को बिजली के खंभों, तारों और सबस्टेशनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली के खंभों या तारों के पास कपड़े सुखाने, कूड़ा डालने या मवेशी बांधने से बचना चाहिए। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि बिजली की लाइनों के नीचे किसी प्रकार का आयोजन न करें और नए मकान के निर्माण या मरम्मत के दौरान बिजली संरचनाओं से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। यदि किसी खंभे पर चिंगारी दिखाई दे तो तुरंत संबंधित विभाग को सूचित करना आवश्यक है। घरों में सुरक्षा को लेकर भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। लोगों से कहा गया है कि वे केवल अच्छी गुणवत्ता के तार और उपकरणों का उपयोग करें तथा समय-समय पर उनकी जांच कराएं।

पुराने शीतलन यंत्रों की नियमित देखभाल और ऊर्जा मानकों के अनुरूप उपकरण लगाने की सलाह दी गई है। आग लगने की स्थिति में क्या करें, इस पर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, 5 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय कूरियर सेवाओं के जरिए अमेरिका समेत अन्य देशों में साइकोट्रॉपिक दवाओं की तस्करी करने वाले संगठित सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। गिरोह फर्जी केवाईसी दस्तावेज, नकली बिल, व्हाट्सएप और बैंकिंग चैनलों के जरिए नशीली दवाओं को विदेश भेजता था। मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर चार्जशीट दाखिल की गई है। हालांकि पुलिस ने गिरफ्तारी की सटीक तारीख और स्थान सार्वजनिक नहीं किए हैं।

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने सोमवार को बताया कि, 24 सितंबर 2025 को सूचना मिली थी कि एक गिरोह कूरियर के माध्यम से अमेरिका नशीली दवाएं भेज रहा है। इसके बाद एजीएस/क्राइम ब्रांच की टीम ने मोती नगर के रामारोड स्थित कूरियर वेयरहाउस में छापा मारकर अमेरिका भेजे जा रहे एक संदिग्ध पार्सल को पकड़ा। जांच में उसमें छिपाकर रखी गई व्यावसायिक मात्रा की साइकोट्रॉपिक दवाएं बरामद हुईं।

इसके बाद 25 सितंबर 2025 को क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर संख्या 268/2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 22/23/29 में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य, बैंक लेनदेन, कूरियर दस्तावेज, व्हाट्सएप चैट और सप्लाई चैन के आधार पर पांच

आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में यासर खान, अभिषेक भार्गव, नितिन, नीरज राघव और अमितेश राय शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यासर खान इस नेटवर्क का सरगना है, जो दवाओं की खरीद, विदेशी ग्राहकों से संपर्क और भुगतान की व्यवस्था संभालता था। अभिषेक भार्गव पार्सल तैयार कर डिस्पैच करता था और फर्जी केवाईसी दस्तावेज जुटाता था। नितिन, जो गणपति फार्मास्यूटिकल का संचालक है, दवाओं की सप्लाई और बिल तैयार करने में शामिल था। नीरज राघव फार्मा नेटवर्क के जरिए समन्वयक की भूमिका निभा रहा था, जबकि अमितेश राय, जो मां गायत्री फार्मा का संचालक है, दवाओं की खरीद और सप्लाई करता था। पुलिस ने पार्सल से 686.48 ग्राम ज़ोलपिडेम और 705.60 ग्राम ट्रामाडोल बरामद की। वहीं अभिषेक भार्गव की गिरफ्तारी के समय उसके कब्जे से 264 ग्राम ज़ोलपिडेम, 666 ग्राम डायजेपाम और 349.83 ग्राम ट्रामाडोल भी मिली। जांच में सामने आया कि गिरोह दवाओं की स्ट्रिप्स पर बैच नंबर मिटाकर उन्हें फैंसी लेस और कॉटन आइटम जैसे सामान की आड़ में पैक करता था। फिर फर्जी पहचान के आधार पर अंतरराष्ट्रीय कूरियर से विदेश भेजा जाता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार गिरोह के विदेशी संपर्कों और नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच में और खुलासे हो सकते हैं।

नहर पार कॉलोनियों की उपेक्षा पर बदरपुर में प्रदर्शन तेज, पदयात्रा में उमड़ा जनसमर्थन

नई दिल्ली। बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के नहर पार इलाके की कॉलोनियों को 1511 कॉलोनियों की सूची में शामिल न किए जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने आंदोलन तेज कर दिया है। इसी क्रम में पार्टी नेता श्रीचंद वोहरा और जैतपुर से निगम पार्षद हेमा वोहरा के नेतृत्व में पदयात्रा निकाली गई, जिसमें स्थानीय निवासियों और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली। यह पदयात्रा एकता विहार, जैतपुर से शुरू हुई और नहर पार क्षेत्र की अनदेखी तथा भेदभाव के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया। इस दौरान वार्ड 184 की निगम पार्षद हेमा श्रीचंद वोहरा, बदरपुर विधानसभा के संगठन मंत्री के.के. सिंह, वार्ड अध्यक्ष गंगा यादव, संगठन मंत्री शकील अहमद सहित कई सामाजिक प्रतिनिधि और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। पदयात्रा के दौरान श्रीचंद वोहरा ने कहा कि नहर पार क्षेत्र के लोगों को कॉलोनियों के नियमित न होने के कारण दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। एक ओर मकान निर्माण में प्रशासनिक अड़चनें और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, वहीं दूसरी ओर पानी, सीवर और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं भी पूरी तरह उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं।

उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की मौत मामले में कुलदीप सेंगर की याचिका पर मई में सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से मिली दस साल की सजा को चुनौती देने वाली पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की याचिका पर मई में सुनवाई करने का आदेश दिया। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने 15, 18, 19 और 20 मई को कुलदीप सेंगर की दलीलें सुनने का आदेश दिया।

जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने उच्चतम न्यायालय के उस आदेश पर गौर किया, जिसमें सेंगर को मिली सजा को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई तीन महीने में पूरी करने का आदेश दिया गया है। 20 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को बढ़ाने की रेप पीड़िता की मांग खारिज कर दी थी। जस्टिस नवीन चावला की बेंच ने कहा था कि इस मामले में 1,945 दिनों की देरी हुई है, ऐसे में याचिका खारिज की जाती है। कोर्ट ने 19 जनवरी को इस मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने की मांग खारिज कर दी थी। जस्टिस रविंद्र डूडेजा की बेंच ने याचिका खारिज करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि सेंगर को मिली दस साल की सजा में से साढ़े सात साल

हिरासत में बीत चुके हैं। कोर्ट ने कहा था कि सेंगर को दोषी करार देने के फैसले के खिलाफ दायर याचिका में देरी की वजह खुद सेंगर ही है, क्योंकि उसने कई दूसरी याचिकाएं दायर कर रखी हैं। इस मामले में 16 दिसंबर, 2019 को तीस हजारी कोर्ट ने रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में कुलदीप सिंह सेंगर को दस साल की कैद की सजा सुनाई थी। तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर पर दस लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर समेत सभी सातों आरोपितों को भी दस-दस साल की कैद और दस-दस लाख के जुर्माने की सजा सुनाई थी।

रेप पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में 9 अप्रैल 2018 को मौत हो गई थी। चार जून 2017 को रेप पीड़िता ने जब कुलदीप सेंगर पर रेप का आरोप लगाया था उसके बाद कुलदीप सिंह सेंगर के भाई अतुल सिंह और उसके साथियों ने पीड़िता के पिता को बुरी तरह पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया था। रेप पीड़िता के पिता को जेल में शिफ्ट करने के कुछ ही घंटों बाद जिला अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी।

20 दिसंबर 2019 को पीड़िता से रेप के मामले में तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने उम्रकैद के अलावा 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। जुर्माने की इस रकम में से 10 लाख रुपये पीड़िता को देने का आदेश दिया था। तीस हजारी कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ भी कुलदीप सिंह सेंगर ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

आर ब्लॉक में मोटापा निवारण हेतु पांच दिवसीय योग शिविर सम्पन्न

नई दिल्ली। आर ब्लॉक सेंट्रल पार्क में भारतीय योग संस्थान तथा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क पांच दिवसीय मोटापा रोग निवारण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर के दौरान योग प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों ने प्रतिभागियों को सरल सूक्ष्म क्रियाएं, प्राणायाम तथा मोटापा कम करने के लिए प्रभावी योग अभ्यास कराए। साथ ही संतुलित आहार, उचित दिनचर्या और जीवनशैली में बदलाव के महत्व पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित अभ्यास और अनुशासन से मोटापा जैसी समस्या से पूरी तरह छुटकारा पाया जा सकता है। आयोजन के सफल संचालन में हरेंद्र कलर, सुनील गुप्ता, दिनेश खंडेलवाल तथा समाजसेवी कार्यकर्ता राधेश्याम अरोड़ा का विशेष योगदान रहा।

आईआरएस अधिकारी बेटी दुष्कर्म-हत्या के आरोपित राहुल मीणा को सात दिनों की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने आईआरएस अफसर की बेटी से दुष्कर्म और हत्या के आरोपित राहुल मीणा को सात दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। राहुल मीणा की आज पुलिस हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक आरोपित के पास से घटना से जुड़ा सभी सामान बरामद कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने आरोपित और मृतका के मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है, ताकि घटना से पहले और बाद की गतिविधियों की सभी कड़ियों को जोड़ा जा सके। कोर्ट ने 23 अप्रैल को राहुल मीणा को आज

तक की पुलिस हिरासत में भेजा था। दिल्ली पुलिस ने राहुल मीणा को 22 अप्रैल को द्वारका के एक होटल से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने राहुल को 23 अप्रैल को कोर्ट में पेश किया था। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि राहुल मीणा के मोबाइल को ढूंढना और उसके परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर उसके पुराने आपराधिक इतिहास का पता लगाना जरूरी है। जांच अधिकारी ने कोर्ट को बताया था कि नकदी और जेवर बरामद किए जा चुके हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राहुल मीणा से पूछा था कि वो लड़की के घर में क्यों घुसा। तब राहुल मीणा ने कहा था कि वो पैसे के लिए गया था। तब कोर्ट ने कहा था कि तुमने दूसरे अपराध क्यों किए। तब राहुल मीणा ने कहा कि ये उसकी गलती थी। इस मामले में अमर कॉलोनी पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

दिल्ली के मुकुंदपुर फ्लाईओवर पर सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र स्थित मुकुंदपुर फ्लाईओवर पर सोमवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो युवकों की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक पर सवार होकर तेज गति से फ्लाईओवर पार कर रहे थे, तभी अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और फ्लाईओवर की दीवार से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक बाइक से उछलकर नीचे बह रहे नाले में जा गिरा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। नाले में गिरे युवक की तलाश के लिए तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। दोनों शवों को कब्जे में लेकर बाबू जगजीवन राम अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्राथमिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और बाइक का संतुलन बिगड़ना बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

आईआरएस अधिकारी के घर छापेमारी मामले में दोषियों की सजा पर सुनवाई कल

नई दिल्ली। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट ने 25 साल पुराने मामले में एक आईआरएस अधिकारी के घर पर कथित छापेमारी के मामले में दोषी करार दिए गए सीबीआई के ज्वायंट डायरेक्टर रमनीश और रिटायर्ड एसीपी वीके पांडे की सजा की अवधि पर सुनवाई टाल दी है। जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास शशांक नंदन भट्ट ने दोषियों की ओर से समझौते के प्रस्ताव आने पर सुनवाई टालने का आदेश दिया। कोर्ट ने सजा की अवधि पर आज यानि 28 अप्रैल को सुनवाई करने का आदेश दिया।

सुनवाई के दौरान इस मामले के शिकायतकर्ता और पूर्व आईआरएस अधिकारी अशोक अग्रवाल ने कोर्ट को बताया कि दोषियों ने समझौते के लिए कुछ प्रस्ताव दिया है। समझौते में अशोक अग्रवाल ने इसके लिए बिना शर्त माफी और मुआवजे की भी शर्त रखी है।

कोर्ट ने 18 अप्रैल को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के ज्वायंट डायरेक्टर रमनीश और रिटायर्ड एसीपी वीके पांडे (उस समय सीबीआई में तैनात थे) को दोषी करार दिया था। कोर्ट ने दोनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 427, 448 और 34 के तहत दोषी ठहराया था।

मामला अशोक अग्रवाल की शिकायत से जुड़ा हुआ है। अशोक अग्रवाल उस समय दिल्ली में डिप्टी डायरेक्टर ऑफ एनफोर्समेंट के पद पर कार्यरत थे। अग्रवाल ने आरोप

लगाया था कि 19 अक्टूबर 2000 को की गई छापेमारी और उनके घर पर ली गई तलाशी और गिरफ्तारी पूरी तरह से गलत और दुर्भावनापूर्ण थी। तीस हजारी कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि ये छापेमारी सिर्फ केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के 28 सितंबर, 2000 के आदेश को नाकाम करने के उद्देश्य से की गई थी। कैट ने अपने आदेश में अग्रवाल के निलंबन की चार हफ्ते के भीतर समीक्षा करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा कि इस आदेश का पालन करने की बजाय सीबीआई अफसरों ने 18 अक्टूबर, 2000 की शाम एक गुप्त बैठक की और अगले दिन सुबह अशोक अग्रवाल के घर पर छापा मारने और उन्हें गिरफ्तार करने की योजना बनाई थी।

कोर्ट ने कहा कि अशोक अग्रवाल के घर की तलाशी और गिरफ्तारी की कार्रवाई न केवल अवैध थी, बल्कि इसमें शक्तियों का दुरुपयोग साफ दिख रहा है। अधिकारियों ने अपने पद का इस्तेमाल करते हुए एक निर्दोष अधिकारी को परेशान करने की कोशिश की।

भाजपा वादे भूलकर तोड़फोड़ की राजनीति में व्यस्त : भाटी

नई दिल्ली। रामनगर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष कुलदीप भाटी ने भारतीय जनता पार्टी पर अन्य दलों में तोड़फोड़ की राजनीति करने और जनता से किए वादों को भूलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देश ने हाल ही में देखा कि आम आदमी पार्टी के कई राज्यसभा सदस्य पाला बदलकर भाजपा में शामिल हो गए, जो राजनीतिक नैतिकता पर सवाल खड़े करता है। कुलदीप भाटी ने कहा कि जो नेता पहले भाजपा की आलोचना करते थे, वही अब उसके साथ खड़े नजर आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने अपने शासन के दौरान किए वादों को पूरा नहीं किया और अब भाजपा भी उसी राह पर चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकारें घोषणाएं तो करती हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने की स्पष्ट योजना नहीं बतातीं। उन्होंने राजधानी की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली में प्रदूषण, जलभराव, पानी की कमी, परिवहन व्यवस्था की खामियां, बेरोजगारी, अस्पतालों की बदहाली, कूड़े के ढेर और गंदगी जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। गर्मियों की शुरुआत के साथ ही बिजली कटौती ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। कुलदीप भाटी ने आरोप लगाया कि सरकार टैक्स के माध्यम से जनता से वसूली तो कर रही है, लेकिन सुविधाएं देने में विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने के बजाय सरकार उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर रही है, जिससे समस्या और बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 4200 टन कूड़े के निस्तारण की कमी है, जिसके कारण कूड़ा खुले में डाला जा रहा है। इसके अलावा राजधानी को करीब 1500 एमजीडी पानी की जरूरत है, जबकि उपलब्धता लगभग 861 एमजीडी ही है। उपलब्ध पानी का बड़ा हिस्सा लीकेज और अन्य कारणों से नष्ट हो जाता है।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की बेंच की कार्यवाही में शामिल नहीं होंगे: केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की बेंच में चल रहे अपने केस की कार्यवाही में न तो स्वयं पेश होंगे और न ही उनकी तरफ से कोई वकील पैरवी करेगा। केजरीवाल ने एक वीडियो जारी कर कहा कि उन्होंने 'हितों के टकराव' के कारण यह निर्णय लिया है। उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष से नहीं बल्कि सिद्धांतों से है। उनके मुताबिक न्याय केवल होना नहीं चाहिए बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए।

महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' का संदर्भ देते हुए केजरीवाल ने कहा कि यदि अंतरात्मा की आवाज कहती है कि गलत हो रहा है, अन्याय हो रहा है तो उसके खिलाफ चुप न रहो उसका सामना करो लेकिन उसका पहला कदम विरोध नहीं बल्कि बातचीत होना चाहिए। अपनी बात अन्याय करने वाले के सामने पूरी विनम्रता के साथ रखनी चाहिए और उसे सुधारने का पूरा मौका देना चाहिए। सारी कोशिशों के बाद भी अगर न्याय न मिले तो अंतरात्मा की आवाज़ सुनो, फिर शांति और विनम्रता के साथ सत्याग्रह करना चाहिए। बाद में उसके जो भी परिणाम हों वो सहर्ष स्वीकार करने चाहिए। इस पूरे प्रकरण में अन्याय करने वाले व्यक्ति के प्रति किसी भी प्रकार की नफ़रत या गुस्सा नहीं होना चाहिए। केजरीवाल ने कहा, ₹पूरी निष्ठा और विनम्रता के साथ न्यायमूर्ति स्वर्णकांता

के सामने अपनी बात रखी। उन्हें इस मामले से अलग होने के लिए याचना की। मैंने आग्रह किया कि मेरा केस उच्च न्यायालय के किसी भी अन्य जज द्वारा सुन लिया जाए लेकिन उन्होंने मेरी प्रार्थना अस्वीकार कर दी।

उन्होंने फैसला दिया कि वह अपने आप को इस मामले से अलग नहीं करेंगी और ये केस वो स्वयं ही सुनेंगी। उनके दिए गए इस फैसले से मैं पूरी विनम्रतापूर्वक असहमत हूं। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता जो भी फैसला सुनाएंगी, उस पर समय आने पर मेरे जो भी कानूनी अधिकार हैं जैसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती देना आदि, वो सभी कदम उठाने के लिए मैं स्वतंत्र हूं।₹ केजरीवाल ने कहा, ₹मैं न्यायपालिका का बहुत सम्मान करता हूं। पिछले 75 वर्षों में जब भी देश पर संकट आया, न्यायपालिका ने नागरिकों के हितों की रक्षा की है। मुझे इसी न्यायपालिका ने झूठे केस में निर्दोष घोषित किया और जमानत दी है।

उल्लेखनीय है कि केजरीवाल ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर बेंच बदलने की अपील की थी लेकिन 20 अप्रैल को उनकी याचिका खारिज कर दी गई। उनका कहना है कि जस्टिस स्वर्णकांता ने उनके खिलाफ पहले से धारणा बना रखी है। ऐसे में उन्होंने सवाल किया किया कि क्या जज निष्पक्ष फैसला ले पाएंगी? याचिका ख़ारिज करते हुए जस्टिस स्वर्णकांता ने कहा था कि बिना ठोस सबूत के लगाए गए आरोप केवल कयास हैं। यह न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकते।

केजरीवाल ने कहा था कि उनके पास जस्टिस शर्मा के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जाने का अधिकार अभी भी है। एक शपथ पत्र दाखिल कर केजरीवाल ने दावा किया था कि जस्टिस शर्मा के बच्चे केंद्र सरकार के वकीलों के पैनल में शामिल हैं और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उन्हें काम सौंपते हैं। इस आधार पर केजरीवाल ने आशंका जताई कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से शायद ही उन्हें निष्पक्ष न्याय मिले।

संपादकीय

अड़ियल रूख बनी बड़ी बाधा

अमेरिका ने ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच समझौते की इच्छा जताई और अपना 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव ईरान को भेजा है। युद्ध विराम में सबसे बड़ी बाधा विश्वास की कमी है। यही कमी किसी नतीजे तक पहुंचने के लिए दोनों देशों को रोक रही है। वर्तमान समय में शांति के लिए हमले रोकने के साथ साझा समाधान तलाशना जरूरी है। इसकी वजह यह है कि युद्ध से तबाही के सिवा कुछ मिलने वाला नहीं है। अमेरिका द्वारा समझौते की इच्छा जताना वैसे तो पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है। लेकिन दोनों देशों की जिद भी किसी ठोस नतीजे तक पहुंचने में सबसे बड़ी बाधा साबित हो रही है। अमेरिका ने शांति प्रस्ताव के लिए जो शर्तें रखी है उनमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने भी अपनी मांगें रखी हैं, उसमें प्रमुख मांग अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने को कहा गया है। इसके उलट पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने दोनों देशों के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है। हालांकि दोनों देशों के बीच भरोसे की कमी साफ दिखाई देती है। दोनों देश एक-दूसरे से जो चाहते हैं, वह काफी मुश्किल दिखाई पड़ता है। दोनों देशों के बीच बातचीत का यह मामला फरवरी में भी चल रहा था। लेकिन बात नहीं बनी। बात न बनने के कारण युद्ध की शुरूआत हुई थी। दोनों देशों ने सममझौते के लिए बड़ी लकीर खींच रखी है। यह लकीर दोनों देशों के बीच आड़े आ रही है। बावजूद इसके आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी युद्ध विराम पर कोई अमल हो पाएगा। दोनों देशों के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है। यह नई बात नहीं है। अभी तक सभी वार्ताएं असफल रही हैं। इस दौरान अमेरिका-इस्त्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में ईरान कोई कदम उठाने से पहले हिचक रहा है। बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर दबाव कम करते हुए युद्ध बिलकुल रोका जाय। यह उचित नहीं है कि अमेरिका संघर्षविराम का प्रस्ताव भेजें और साथ में पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की संख्या भी कम न करे। पिछले युद्धों में इतिहास गवाह रहा है कि ताकत के जोर से सिर्फ विनाश होता है। अमेरिका को अपने त्रि इजराइल को भी हमले रोकने के लिए राजी करना चाहिए। इसकी वजह है कि अगर एक भी पक्ष समझौते का पालन नहीं करता है तो युद्ध विराम केवल दिखावा साबित होगा।

आज जब दुनिया विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और नेतृत्व के नए आयाम छू रही है, तब महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध कर रही हैं। अंतरिक्ष में जाने वाली महिलाएँ केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा बनती हैं। वे यह संदेश देती हैं कि आकाश भी सीमा नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में महिला वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों और शोधकर्ताओं ने ऐसे कार्य किए हैं, जिनसे आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लेकिन दुखद सत्य यह है कि उनकी उपलब्धियों की चर्चा अक्सर सीमित दायरों में रह जाती है, जबकि उनके व्यक्तित्व की सतही बातों को अधिक महत्व दिया जाता है। कवि ने "मैथमेटिक्स पढ़ाती महिलाओं" का उल्लेख करके एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है। गणित जैसे विषय को लंबे समय तक पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। विज्ञान और गणित में महिलाओं की भागीदारी को कम आँका गया, जबकि इतिहास में अनेक महिलाओं ने गणित, भौतिकी, खगोलशास्त्र और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अद्भुत योगदान दिया है।

महिलाओं का बज रहा हर क्षेत्र में डंका

- डॉ. प्रियंका सौरभ

समाज की प्रगति केवल इमारतों, तकनीक और आर्थिक विकास से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि वह अपने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, को किस दृष्टि से देखता है। यदि किसी समाज में स्त्री को केवल उसके रूप, देह या पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाए, तो वह समाज आधा सच देख रहा होता है। प्रस्तुत रचना इसी अधूरे और संकीर्ण दृष्टिकोण पर करारा प्रहार करती है। कवि यह प्रश्न उठाता है कि क्यों स्त्रियों की उपलब्धियों, उनके ज्ञान, श्रम, संघर्ष और आत्मबल को उतनी प्रमुखता नहीं मिलती, जितनी उनके बाहरी स्वरूप को मिलती है। यह प्रश्न केवल साहित्यिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ प्रश्न है।

आज जब दुनिया विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और नेतृत्व के नए आयाम छू रही है, तब महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध कर रही हैं। अंतरिक्ष में जाने वाली महिलाएँ केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा बनती हैं। वे यह संदेश देती हैं कि आकाश भी सीमा नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में महिला वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों और शोधकर्ताओं ने ऐसे कार्य किए हैं, जिनसे आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लेकिन दुखद सत्य यह है कि उनकी उपलब्धियों की चर्चा अक्सर सीमित दायरों में रह जाती है, जबकि उनके व्यक्तित्व की सतही बातों को अधिक महत्व दिया जाता है।

कवि ने "मैथमेटिक्स पढ़ाती महिलाओं" का उल्लेख करके एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है। गणित जैसे विषय को लंबे समय तक पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। विज्ञान और गणित में महिलाओं की भागीदारी को कम आँका गया, जबकि इतिहास में अनेक महिलाओं ने गणित, भौतिकी, खगोलशास्त्र और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अद्भुत योगदान दिया है। आज भी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हजारों महिला शिक्षिकाएँ नई पीढ़ी को ज्ञान दे रही हैं। वे केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ातीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और तर्कशीलता का संस्कार भी देती हैं। फिर भी समाज अक्सर उनके योगदान को सामान्य मानकर अनदेखा कर देता है। इसी प्रकार "परिवार को पालती औरतों" का जिक्र इस रचना का अत्यंत संवेदनशील पक्ष है। घर चलाना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना, आर्थिक जिम्मेदारियों में भागीदारी निभाना—ये सब ऐसे कार्य हैं, जिन्हें समाज लंबे समय तक स्वाभाविक मानता रहा और इन पर पर्याप्त चर्चा नहीं हुई। घर संभालने वाली महिला का श्रम अक्सर अदृश्य माना जाता है। यदि वही श्रम किसी संस्था या नौकरी के रूप में किया जाए, तो उसका मूल्य तय होता है; पर घर के भीतर किए गए श्रम को प्रेम और कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया जाता है। यह सोच बदलने की आवश्यकता है। परिवार की नींव को मजबूत रखने में महिलाओं की भूमिका केंद्रीय होती है, और इसे सम्मानपूर्वक स्वीकार करना समय की मांग है। रचना की सबसे प्रभावशाली बात यह है कि यह केवल शिकायत नहीं करती, बल्कि समाज को आईना दिखाती है। अंतिम पंक्ति—जो लोग स्त्री को केवल शरीर तक देखते हैं, वे अभागे हैं—बहुत गहरा अर्थ रखती है। यहाँ "अभागे" शब्द केवल आलोचना नहीं, बल्कि दया का भाव भी व्यक्त करता है। ऐसे लोग स्त्री के वास्तविक स्वरूप को समझने की क्षमता से वंचित हैं। वे उसकी संवेदना, बुद्धिमत्ता, सृजनशीलता, संघर्षशीलता और नेतृत्व क्षमता को नहीं देख पाते। वास्तव में वे स्त्री का नहीं, अपनी सोच का नुकसान करते हैं। आज सोशल मीडिया और विज्ञापन की दुनिया में स्त्री की छवि को लेकर अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। अक्सर महिलाओं को आकर्षण की वस्तु बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। उनकी योग्यता से अधिक उनके पहनावे, रूप-रंग और निजी जीवन पर चर्चा होती है। सार्वजनिक जीवन में सफल महिलाओं को भी कई बार उनकी उपलब्धियों से अधिक उनके बाहरी व्यक्तित्व के आधार पर आँका जाता है। यह प्रवृत्ति केवल मनोरंजन जगत तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति, खेल, शिक्षा और कॉर्पोरेट जगत में भी दिखाई देती है। यह मानसिकता बदलने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

शिक्षा इस बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम है। यदि बचपन से लड़कों और लड़कियों दोनों को समानता, सम्मान और संवेदनशीलता का संस्कार दिया जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकती हैं। स्कूलों में ऐसी कहानियाँ, उदाहरण और पाठ होने चाहिए जो महिलाओं की उपलब्धियों को सामने लाएँ। बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि स्त्री केवल एक संबंध नहीं, बल्कि स्वतंत्र व्यक्तित्व है। उसकी पहचान उसके सपनों, परिश्रम और उपलब्धियों से बनती है। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाचार, फिल्में, धारावाहिक और डिजिटल मंच समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। यदि मीडिया महिलाओं को केवल परंपरागत भूमिकाओं या बाहरी आकर्षण तक सीमित दिखाएगा, तो समाज भी उसी दृष्टि को अपनाएगा। इसके विपरीत यदि महिला वैज्ञानिकों, शिक्षिकाओं, उद्यमियों, किसानों, खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की कहानियों को प्रमुखता दी जाए, तो समाज की चेतना सकारात्मक दिशा में बढ़ेगी। आज आवश्यकता है कि प्रेरक महिला चरित्रों को अधिक स्थान मिले। कार्यस्थलों पर भी महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव जरूरी है। महिला कर्मचारी या अधिकारी को उसकी क्षमता, नेतृत्व और कार्यकुशलता के आधार पर सम्मान मिलना चाहिए, न कि उसके लिंग के आधार पर पूर्वाग्रहों से देखा जाए। समान वेतन, सुरक्षित वातावरण और अवसरों की समानता केवल नीतिगत विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के मूल तत्व हैं। जब महिलाएँ बिना भेदभाव के काम कर पाएँगी, तभी समाज अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँच सकेगा।

परिवार स्तर पर भी बदलाव की आवश्यकता है। अक्सर बेटियों को सीमाओं और बेटों को स्वतंत्रता के साथ पाला जाता है। यह अंतर बचपन से ही असमानता को जन्म देता है। यदि परिवार बेटियों को भी सपने देखने, निर्णय लेने और आगे बढ़ने का समान अवसर दें, तो समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव है। साथ ही बेटों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि सम्मान, साझेदारी और संवेदना ही मजबूत रिश्तों की नींव हैं।

यह रचना हमें यह भी समझाती है कि स्त्री का सम्मान केवल नारों से नहीं होगा। महिला दिवस पर शुभकामनाएँ देना पर्याप्त नहीं, यदि रोजमर्रा के व्यवहार में भेदभाव बना रहे। सम्मान का अर्थ है—उसकी बात सुनना, उसकी मेहनत को स्वीकार करना, उसके निर्णयों का आदर करना और उसे स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना। यह बदलाव भाषा, व्यवहार, सोच और व्यवस्था—चारों स्तरों पर होना चाहिए।

इतिहास गवाह है कि जब-जब महिलाओं को अवसर मिले हैं, उन्होंने असाधारण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। राजनीति से विज्ञान तक, साहित्य से खेल तक, शिक्षा से उद्यमिता तक—हर क्षेत्र में महिलाओं ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। इसलिए यह कहना कि स्त्री किसी क्षेत्र में कमतर है, केवल पूर्वाग्रह है, सत्य नहीं। समाज को चाहिए कि वह महिलाओं को प्रेरणा, नेतृत्व और परिवर्तन की शक्ति के रूप में देखे। रचना की शक्ति इसी में है कि वह सरल शब्दों में गहरी बात कहती है। यह कविता केवल स्त्री की प्रशंसा नहीं करती, बल्कि समाज से प्रश्न पूछती है—क्या हम अब भी स्त्री को आधा देखकर संतुष्ट हैं? क्या हम उसकी उपलब्धियों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? क्या हम उसे बराबरी की दृष्टि से देखने का साहस रखते हैं? ये प्रश्न हर व्यक्ति के सामने खड़े हैं।

सुरक्षित कार्यस्थल व स्वस्थ कर्मचारियों से बन रहा समृद्ध राष्ट्र

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 28 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) द्वारा विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। वास्तव में,इस दिवस का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थलों पर काम करने वालों की उचित सुरक्षा, उनके बेहतर स्वास्थ्य तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सुरक्षित कार्यस्थल केवल कर्मचारियों का अधिकार ही नहीं, बल्कि उत्पादकता(प्रोडेक्टीविटी) बढ़ाने और समाज तथा राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए भी अनिवार्य है। सच तो यह है कि कोई भी काम किसी व्यक्ति की जान या उसके स्वास्थ्य से बड़ा नहीं हो सकता। स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।हमारे यहां कहा भी गया है कि-पहला सुख निरोगी काया। दुनिया की तमाम धन-दौलत, ऊंचे पद और सुख-सुविधाएं, विलासिता सबकुछ व्यर्थ हैं, यदि मनुष्य का शरीर स्वस्थ न हो। हमें यह याद रखना चाहिए कि स्वस्थ मस्तिष्क ही हमारी रचनात्मक सोच का आधार है और मस्तिष्क व शरीर स्वस्थ होगा तभी कोई मनुष्य कठिन परिश्रम कर सकता है।सच तो यह है कि जब हम स्वस्थ और सुरक्षित होते हैं, तब अधिक रचनात्मक, अधिक उत्पादक बनते हैं और जीवन में सफलता का आधार तैयार करते हैं। स्वस्थ रहकर हम न केवल अपने जीवन का असली आनंद लेते हैं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति को भी सुरक्षित व सही रख सकते हैं। अक्सर यह कहा जाता कि एक बीमार राजा की तुलना में एक स्वस्थ भिखारी अधिक सुखी और शक्तिशाली होता है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन विश्वभर में विभिन्न श्रमिकों के अधिकारों तथा सुरक्षित कार्यस्थलों के लिए कार्य करता है।पाठक जानते हैं कि आज पूरी दुनिया में हर वर्ष लाखों लोग कार्यस्थल दुर्घटनाओं या काम से जुड़ी अनेक बीमारियों व रोगों का शिकार होते हैं।विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवसको मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल दुर्घटनाओं को रोकना, व्यावसायिक रोगों से बचाव करना, कर्मचारियों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा एक सुरक्षित, सुंदर व अच्छी कार्य संस्कृति विकसित करना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि व्यावसायिक रोग वे रोग या बीमारियाँ हैं, जो किसी व्यक्ति को उसके काम, कार्यस्थल या पेशे की परिस्थितियों के कारण हो जाती हैं। अर्थात नौकरी या व्यवसाय से जुड़े वातावरण, रसायनों, धूल, शोर, तनाव, मशीनों या संक्रमण के कारण होने वाले रोग व्यावसायिक रोग कहलाते हैं।

आज बहुत से लोग ऐसे कल-कारखानों में काम करते हैं, जहां उन्हें अनेक प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं। उदाहरण के तौर पर पटाखों के कारखानों में जलने की दुर्घटनाएं, बारूद की गंध, धुएँ से आंखों व त्वचा के गंभीर और खतरनाक रोग तथा विस्फोट से चोट लगने की घटनाएं होती हैं। बीड़ी बनाने के उद्योगों में खांसी, अस्थमा, फेफड़ों की बीमारी, त्वचा एलर्जी तथा निकोटीन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं। रसायनों के कारखानों में सांस, त्वचा, आंखों, लीवर और फेफड़ों के रोगों का खतरा बना रहता है। इन उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों को व्यावसायिक रोगों का अधिक खतरा इसलिए रहता है, क्योंकि वहां धूल, धुआँ, जहरीले पदार्थ, आग, विस्फोट, तेज गंध और लगातार संपर्क जैसी परिस्थितियाँ होती हैं।

बहरहाल, यदि यहां सरल शब्दों में कहा जाए तो धूल भरे कारखानों में काम करने वालों को फेफड़ों की बीमारियाँ, जैसे अस्थमा और सिलिकोसिस, हो सकती हैं। रसायनों के संपर्क से त्वचा रोग उत्पन्न हो सकते हैं, विशेषकर फैक्ट्री, लैब या सफाई कार्य में लगे कर्मचारियों को। बहुत तेज़ शोर में काम करने से सुनने की समस्या उत्पन्न हो सकती है, विशेषकर मशीनरी उद्योगों में। कार्यालय कर्मियों में लंबे समय तक कंप्यूटर पर बैठने से गर्दन व कमर दर्द की समस्या होती है। अत्यधिक तनाव से मानसिक समस्याएँ, जैसे चिंता और अवसाद, बढ़ सकती हैं। अस्पताल कर्मियों में संक्रमण का खतरा बना रहता है, जैसे हेपेटाइटिस बी तथा कोविड। ऐसे उद्योगों और कार्यस्थलों पर काम करने वालों के लिए मास्क, दस्ताने, वेंटिलेशन, प्रशिक्षण, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा सुरक्षा कानूनों का पालन अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह दिवस हर वर्ष मनाया जाता है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कार्यस्थलों पर हाल के वर्षों में हुई कुछ बड़ी दुर्घटनाएं हुईं हैं। मसलन, इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़ के सक्ती स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 25 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। इसी वर्ष तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें 25 से अधिक लोगों की जान गई। इतना ही नहीं, केरल के त्रिशूर में भी एक अन्य पटाखा इकाई में विस्फोट से लगभग 13 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। अभी कुछ समय पहले इसी साल फरवरी 2026 में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के पटाखा कारखाने में बड़ा धमाका हुआ, जिसमें करीब 21 लोगों की मृत्यु हुई। इतना ही नहीं, मार्च 2026 में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एक औद्योगिक इकाई में विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 26 श्रमिकों की जान गई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया स्थित एक रासायनिक संयंत्र में गैस रिसाव की घटना में 2 लोगों की मृत्यु और कई लोग प्रभावित हुए। इसी अवधि में दक्षिण कोरिया के देजॉन की एक फैक्ट्री में आग लगने से 14 लोगों की मृत्यु और दर्जनों घायल हुए। वास्तव में, इन सभी उक्त घटनाओं से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि औद्योगिक सुरक्षा नियमों की अनदेखी, प्रशिक्षण की कमी और आपातकालीन व्यवस्था का अभाव कार्यस्थल दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिवस केवल कारखानों तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों, खेतों, दुकानों और ऑनलाइन कार्यस्थलों पर भी समान रूप से लागू होता है। हमें यह बात अपने मन में रखनी चाहिए कि यदि हमारे देश के कार्यस्थल सुरक्षित होंगे तो कर्मचारी सुरक्षित व स्वस्थ रहेंगे, और यदि किसी देश के कर्मचारी स्वस्थ व सुरक्षित होंगे तो वह देश खुशहाली और उन्नयन की ओर अग्रसर होगा। शायद यही कारण है कि इस दिवस का नारा माना जाता है-सुरक्षित कार्यस्थल, स्वस्थ कर्मचारी, समृद्ध राष्ट्र। सच तो यह है कि इस दिवस का सीधा संदेश यही है कि कार्यस्थल पर काम बहुत जरूरी है, लेकिन मनुष्य जीवन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। पेशेवर जोखिमों से कर्मचारियों को बचाना ही इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि इसका प्राथमिक उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य की संस्कृति को बढ़ावा देना है, ताकि काम से संबंधित मौतों और चोटों की संख्या कम की जा सके।

सभी के लिए आदर्श हैं भगवान श्रीराम

भगवान श्रीराम की मातृ-पितृ भक्ति भी बड़ी महान थी वो अपने पिता राजा दशरथ के एक वचन का पालन करने 14 वर्ष तक वनवास काटने चले गए और माता कैकयी का भी उतना ही सम्मान किया। भातृ प्रेम के लिए तो श्रीराम का नाम सबसे पहले लिया जाता है उन्होंने अपने भाइयों को अपने बेटों से बढ़ कर प्यार दिया इनके इसी भातृ प्रेम की वजह से उनके भाई उन पर मर मिटने को तैयार रहते थे। श्रीराम ने रावण का और अन्य असुरों का संहार कर धरती पर शांति भी कायम की। भगवान श्रीराम महान पत्नी व्रता भी थे उन्होंने वनवास से लौटने के बाद माता सीता के साथ न रह कर भी कभी राजसी ठाठ में जीवन नहीं बिताया तथा न ही कभी उनके सिवा किसी अन्य की कल्पना की। भगवान श्रीराम ने अपने सेवकों तथा अनुयायियों का भी सदैव ध्यान रखते हैं। वह अपने सेवक हनुमानजी एवं अंगद के लिए हमेशा प्रस्तुत रहते थे। भगवान श्रीराम में सभी गुण विद्यमान थे। हिन्दुओं के आराध्य देव श्रीराम भगवान विष्णु के दसवें अवतार माने जाते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में विख्यात श्रीराम का नाम हिन्दुओं के जन्म से लेकर मरण तक उनके साथ रहता है। अयोध्या के राजा दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र श्रीराम ने असुर राज रावण और अन्य आसुरी शक्तियों के प्रकोप से धरती को मुक्त कराने के लिए ही इस धरा पर जन्म लिया था। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से नैतिकता, वीरता, कर्तव्यपरायणता के जो उदाहरण प्रस्तुत किये वह बाद में मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक का काम करने लगे। महर्षि वाल्मीकि ने अपने महाकाव्य रामायण और संत तुलसीदास जी ने भक्ति काव्य श्रीरामचरितमानस में भगवान श्रीराम के जीवन का विस्तृत वर्णन बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है। हिन्दू धर्म के कई त्योहार श्रीराम के जीवन से जुड़े हुए हैं जिनमें रामनवमी के रूप में उनका जन्मदिवस मनाया जाता है तो दशहरा पर्व भगवान श्रीराम द्वारा रावण का वध करने की खुशी में मनाया जाता है। श्रीराम के वनवास समाप्त कर अयोध्या लौटने की खुशी में हिन्दुओं का सबसे बड़ा पर्व दीपावली मनाया जाता है। राम प्रजा को हर तरह से सुखी रखना राजा का परम कर्तव्य मानते थे। उनकी धारणा थी कि जिस राजा के शासन में प्रजा दुरूखी रहती है, वह अवश्य ही नरक का अधिकारी होता है। तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में रामराज्य की विशद चर्चा की है।

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1945 - इटली के देशभक्त सैनिकों द्वारा तानाशाह मुसोलिनी एवं उनकी पत्नी (रखैल) की गोली मारकर हत्या।

1999 - अमेरिकी वैज्ञानिक डाक्टर रिचर्ड सीड द्वारा एक वर्ष के अंदर मानव क्लोन बनाने की घोषणा।

1999 - विश्वभर में हज़ारों कम्प्यूटरों को चेर्नोबिल वायरस ने ठप्प किया।

2001 - पहला अंतरिक्ष सैलानी टेनिस टीटो अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना।

2002 - बुकर पुरस्कार का नया नाम 'मैन बुकर प्राइज फॉर फिक्शन' रखा गया।

2002 - पाकिस्तान की सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के जनमत संग्रह को वैध करार दिया।

2004 - थाबोम्बेकी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली।

2004 - थाइलैंड में पुलिस चौकी पर हमले में 122 लोगों की मृत्यु।

2008 - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरों) ने पीएसएलवी-सी9 के साथ 10 सैटेलाइट एक साथ छोड़कर एक नया इतिहास रचा।

2008 - मलेशिया में भारतीय मूल के दस सांसदों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

2008 - पाकिस्तान की प्रधानमंत्री रहीं बेनजीर भुट्टो को मरणोपरान्त प्रतिष्ठित टिपरी इंटरनेशनल पुरस्कार प्रदान किया गया।

जन्म

1791 - हरि सिंह नलवा - महाराजा रणजीत सिंह के सेनाध्यक्ष।

1897 - ये जियानयिंग - चीन में सेना प्रमुख के अध्यक्ष थे।

1924 - केनेथ कौंडा - जाम्बिया के पहले राष्ट्रपति थे।

1929 - भानु अथैया - भारतीय फ़िल्मों की प्रसिद्ध ड्रेस डिजाइनर।

1940 - समीर रंजन बर्मन - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेता थे।

1981 - अनुप्रिया पटेल - भारत की सत्रहवीं लोकसभा की सांसद व नरेन्द्र मोदी सरकार की सबसे युवा मंत्री हैं।

निधन

1719 - फर्रुखसियर - मुगल वंश के अजीमुश्शान का पुत्र था।

1740 - बाजीराव प्रथम - मराठा साम्राज्य का महान सेनानायक था।

1740 - मस्तानी - बाजीराव प्रथम की दूसरी पत्नी थी।

एकल परिवारों का बढ़ता चलन,खल रही बुजुर्गों की कमी

मनोज कुमार अग्रवाल

आजकल अधिकांश एकल परिवार हैं वो भी न्यूक्लियर यानि एक या दो बच्चे वाले परिवार। इस स्थिति में कुछ पिता अपने बच्चों से अधिक अपेक्षा बना लेते हैं और उन का कैरियर संवारने के लिए बचपन से ही इस तरह की सख्ती करते हैं जो बच्चों को भीतर तक मर्माहत कर देती है उनका बचपन छीन लेती है नतीजा यह निकलता है कि कई बार बच्चे अभिभावकों के दबाव के चलते मानसिक बीमारी से ग्रसित हो जाते हैं उनका स्वाभाविक विकास रुक जाता है और कई बार वह बागी होकर एंग्री यंगमेन बन जाते हैं और अधिक संवेदनशील बच्चे इस कदर टूट जाते हैं कि वह आत्मघाती कदम उठा कर अपनी जीवन लीला ही समाप्त कर देते हैं जैसे कि कानपुर के एक युवा वकील ने किया जब पिता के कर्कश अपमान जनक व्यवहार के साथ जद्दोजहद में युवा वकील इतना अधिक टूट गया कि उसने भरी कचहरी में पांचवी मंजिल से छलांग लगा कर जीवन को अलविदा कह दिया।

उत्तर प्रदेश का कानपुर में कानपुर कचहरी में अधिवक्ता प्रियांशु श्रीवास्तव ने पांचवीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली । प्रियांशु ने यह आत्मघाती कदम अपने पिता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव की कथित सख्ती और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर उठाया । मृतक ने आत्महत्या से ठीक पहले व्हाट्सएप पर दो पन्नों का स्टेटस नोट साझा किया था । इस नोट में उन्होंने बचपन की कड़वी यादों और वर्तमान की बंदिशों का विस्तार से जिक्र किया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और व्हाट्सएप स्टेटस को जांच का मुख्य आधार बनाया है। युवा वकील प्रियांशु श्रीवास्तव के आत्महत्या मामले में सनसनी मचा दी है। कानपुर कोर्ट की पांचवी मंजिल से छलांग लगाने वाले युवा वकील का सुसाइड नोट इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, गुरुवार को दोपहर बाद युवा वकील ने कोर्ट भवन की पांचवी मंदिर से छलांग लगा दी थी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इससे पहले उसने सोशल मीडिया एकाउंट पर स्टेटस पर दो पेज का सुसाइड नोट अपलोड किया। इसमें उसने अपने पिता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव के जुल्म की इंतेहा को दर्ज किया।

प्रियांशु श्रीवास्तव कानपुर के बर्रा आठ वरुण विहार का रहने वाला था। उसके पिता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव भी कानपुर कोर्ट में वकील थे। 23 वर्षीय प्रियांशु ने वर्ष 2025 में डीसी लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री हासिल की। इसके बाद वह अपने पिता के साथ ही कानपुर कोर्ट में वकालत करने लगा। गुरुवार दोपहर 12:05 बजे उसने सुसाइड नोट लिखा। इसके तीन घंटे बाद कोर्ट भवन की पांचवी मंजिल से छलांग लगा दी।

कानपुर कोर्ट भवन में यह घटना घटी। कोर्ट भवन के पीछे की ओर खिड़कियां बनी हुई हैं। उनके चारों तरफ जाली लगाई है। यहां एक सिरे पर जाली नहीं है। प्रियांशु वहीं जाकर ऊपर बैठ गया था। करीब 10 मिनट तक वहीं बैठा रहा। इसके बाद वह पीछे की तरफ कूद गया। उसके नीचे गिरते ही तेज आवाज ने हर किसी को चौंका दिया। पांचवी मंजिल पर घटना के बाद वहां मौजूद वकील और अन्य लोग हैरान रह गए। कोर्ट भवन में तेज धमाके के साथ आवाज हुई तो वकील नीचे की ओर भागे। प्रियांशु जहां गिरा वहां कोई आता-जाता नहीं है। उधर जाने का रास्ता भी बंद रहता है।बार एंड लॉयर्स के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। चैनल को खुलवाया गया। इसके बाद सभी मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद वहां जिला जज अनमोल पाल भी न्यायिक अधिकारियों के साथ पहुंच गए। पुलिस और फोरेंसिक टीम भी घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची। घटनास्थल से सबूत जुटाए गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट में युवा वकील ने पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

युवा वकील ने सुसाइड नोट में लिखा है कि उसके ऊपर 5-6 साल की उम्र से ही जुल्म किया जा रहा है। मैंगो जूस वाली कहानी भी साझा की। वकील ने लिखा कि बात-बात पर पिता मेरी पिटाई करते थे। हमेशा मेरी बुराई ही होती थी। हमेशा नीचा दिखाया जाता है। इसलिए अब इस जिंदगी को खत्म कर रहा हूं। पिता के खिलाफ आक्रोश जताने वाले युवा वकील ने लिखा, लव यू मम्मी...। युवा वकील प्रियांशु ने अपने सुसाइड नोट में 6 साल की उम्र में हुए अत्याचार की कहानी भी साझा की है। इसमें उसने लिखा कि मुझे यह बताने में काफी शर्म महसूस हो रही है। उसने लिखा कि 6 साल के उम्र में फ्रिज में रखे आम के जूस को पीने के चलते मेरे पिता ने मुझे निर्वस्त्र कर घर के बाहर भगा दिया था। हमारे प्रति उनका ऐसा रवैया हमेशा बना रहा। वह हमेशा मुझे बेइज्जत करते रहते थे। वकील ने सुसाइड नोट में लिखा है कि मैं मानता हूं कि हर माता-पिता को शुरू से ही सख्त रवैया अपनाया जाना चाहिए। इससे बच्चों का भविष्य संवर सकता है।

प्रियांशु ने आगे लिखा कि अगर आप अपने बच्चों पर इतनी सख्ती करेंगे तो बच्चों को हर पल घुटन महसूस होने लगेगी। परीक्षा के एक दिन पहले अगर सिलेबस पूरा तैयार नहीं है तो पीटने लगते थे। हर समय, हर मिनट नजर रखते थे। एक-एक मिनट का हिसाब लेते थे। यह मानसिक प्रताड़ना ही है। इस प्रकार के टॉर्चर से मैं अब अधिक समय तक नहीं जी सकता हूं। इसलिए, मैंने यह कदम उठाने का निर्णय लिया। बेहद परेशान प्रियांशु ने सुसाइड नोट में दावा किया कि बचपन में मारपीट और घर से भगाए जाने की घटना के बाद भी पिता नहीं थमे। बड़ा होने पर भी पिता उसके साथ अलग व्यवहार करते रहे। लगातार उसे पर मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। पिता बार-बार उसे बेइज्जत करते थे। पीटने लगते थे। इसने प्रियांशु को अंदर तक तोड़ दिया। वह मानसिक तौर पर टूट गया था। उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा भी कि मेरा यह निवेदन है कि मेरी लाश को मेरे पापा छू भी न पाएं। भगवान करे ऐसा पिता किसी को भी न मिले। इससे पिता के प्रति उसके मन की भावनाओं को समझा जा सकता है। यह वारदात उन अभिभावकों की आंखे खोलने के लिए सबक है जो अपने सपनों को जबरन अपने बच्चों पर थोपते है और जरा जरा सी बात पर दूसरे लोगों के सामने उन्हें अपमानित लहजे से प्रताड़ित करते हैं।पिछले साल कुम्भ मेला में चर्चा में आए आइआइटीयन बाबा अभय सिंह का मामला भी इसी वकील पिता की क्रूरता से मिलता जुलता था वहां भी एक वकील पिता के मां के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार ने एक आइआइटीयन को अवसाद में धकेल कर नशेड़ी और बाबा बनने के लिए मजबूर कर दिया। आज इक्कीसवीं सदी का दौर है इसमे उन्नीसवीं बीसवीं सदी का अशिक्षित मानसिक शारीरिक प्रताड़ना देने वाला दौर नही चल सकता आज के किशोर युवा बहुत संवेदनशील है वह थोड़ी सी दुर्व्यवहार पर ही बिखर सकते हैं टूट सकते हैं इस लिए बालकों किशोरों और नवयुवाओ के साथ सभ्य मार्गदर्शक मित्रवत मार्गदर्शन करना चाहिए नकि यातना भरा दुर्व्यवहार। आज प्रियांशु का पिता वह अभागा पिता है जिसने खुद अपने गलत व्यवहार के चलते अपने भविष्य को मौत के मुंह में जाने के लिए मजबूर कर दिया बेशक उनकी सोच बेटे को बेहतर कैरियर और इंसान बनाने की रही होगी लेकिन यकीनन उनका तरीका अक्षम्य और अमानवीयता भरा बर्बर रहा जिसका दर्द लेकर एक होनहार युवा ने मौत को गले लगा लिया और पिता की बुढ़ापे की लाठी खत्म हो गई।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

प.बंगाल में चुनाव के बाद 60 दिन और केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात रहेंगे : अमित शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद कम से कम 60 और दिन तक केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। उन्होंने मतदाताओं से चुनाव के अंतिम चरण में 'दीदी के गुंडों' से डरे बिना मतदान करने की अपील की। शाह बेहाला में रोड शो के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे, जहां 29 अप्रैल को दूसरे और अंतिम चरण में मतदान होना है।

294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ था, जबकि मतगणना चार मई को होगी। शाह ने कहा कि भाइयों और बहनों, 29 तारीख को जाकर वोट दीजिए, गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है। निर्वाचन आयोग ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं और मैं आपको बता दूं कि भाजपा के सत्ता में आने पर भी केंद्रीय बल यहां 60 दिन तक रहेंगे। यह रोड शो बेहाला पूर्व और बेहाला पश्चिम सीटों के भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार के अंतिम दिन आयोजित किया गया। इस दौरान दक्षिण कोलकाता का यह इलाका भगवा रंग में रंग गया। खुले वाहन पर खड़े होकर शाह ने समर्थकों का अभिवादन किया। खुले वाहन पर सवार शाह ने समर्थकों का अभिवादन किया। इस दौरान भाजपा समर्थक 'जय श्री राम' तथा 'भारत माता की जय' के नारे लगाते रहे। बाद में शाह ने हुगली जिले के चंदननगर में भी एक और भव्य रोड शो किया, जिसमें भारी भीड़ उमड़ी। इस मौके पर गृह मंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा के पक्ष में जबरदस्त लहर है और सत्ता में आने के बाद पार्टी 'सभी घुसपैठियों और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

चंदननगर में एक रोड शो के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कड़े शब्दों में कहा कि 29 अप्रैल को मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोशिश न की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि चार मई के बाद दोषियों को सजा दी जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटाने का विरोध कर रही हैं और वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध प्रवासियों को संरक्षण दे रही हैं। शाह ने कहा कि चार मई के बाद सभी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें पश्चिम बंगाल से बाहर निकाल दिया जाएगा। रोड शो के बाद शाह ने दावा किया कि राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि चार मई के बाद किसी को भी बहुविवाह की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि अब तक चुनाव शांतिपूर्ण रहे हैं और कोई बड़ी हिंसक घटना या मौत नहीं हुई है। तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए शाह ने राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद का जिक्र किया और निलंबित टीएमसी विधायक व एजेयूपी के संस्थापक हुमांयू कबीर का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि उनके जरिए बंगाल में 'बाबरी मस्जिद' बनाने की कोशिश की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार पर सामाजिक कल्याण योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि सत्ता में आने पर दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल को 'सोनार बांग्ला' बनाने, कानून-व्यवस्था सुधारने और विकास व सुशासन स्थापित करने के लिए भाजपा को सत्ता में लाना जरूरी है।

सीएम सुक्खू की कसुम्पटी को 51 करोड़ की सौगात

15 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को ज़िला शिमला के कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे के दौरान विकास कार्यों को गति देने के लिए 51.10 करोड़ रुपये की लागत वाली 15 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। यह कार्यक्रम धरेच और चियोग क्षेत्रों में आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें सड़क निर्माण से जुड़े कई अहम काम शामिल हैं। इनमें 15.23 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली फागू-धरेच सड़क, 7.85 करोड़ रुपये की धरेच-चटोग वाया मांडा सड़क, 4.81 करोड़ रुपये की डरन-जुब्बड़ सड़क और 1.50 करोड़ रुपये की खेती जुब्बड़-खद्रंरव सड़क शामिल हैं। इसके अलावा 2 करोड़ रुपये की फागू-सरिऊ सड़क, 2.70 करोड़ रुपये की बंगापानी-चडैल सड़क, 3 करोड़ रुपये की चियोग-जठाई सड़क, 2.50 करोड़ रुपये की धलेऊ-जनू नाला सड़क और 2.60 करोड़ रुपये की न्होग-कनेशी सड़क का भी शिलान्यास किया गया। अन्य परियोजनाओं में 1 करोड़ रुपये की धलैऊ-धार सड़क, 2 करोड़ रुपये की क्यानाला-सरोग सड़क, 90 लाख रुपये की चियोग बाजार से गांव मेहाना सड़क और 1 करोड़ रुपये की तलाई-देहना से गांव करयाल सड़क शामिल हैं। इसके साथ ही 1.14 करोड़ रुपये की लागत से धरेच में सामुदायिक केंद्र और पंचायत घर बनाने की योजना भी शुरू की गई।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने 2.85 करोड़ रुपये की लागत से बनी चियोग बाईपास सड़क का उद्घाटन भी किया, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है।

तमिलनाडु में मिला 8-12 हजार साल पुराना जीवाश्म स्थल

नई दिल्ली। तमिलनाडु में 8-12 हजार साल पुराना जीवाश्म स्थल मिलने की पुष्टि हुई है। यह खोज दक्षिणी भारत के तटीय क्षेत्रों के भूवैज्ञानिक इतिहास और प्राचीन समुद्री वातावरण को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संकेत देता है कि यह क्षेत्र कभी समुद्र तटीय सीमा का हिस्सा था। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर बताया कि तमिलनाडु के थूथुकुड़ी जिले में 2023 की भारी बारिश के बाद उजागर हुए जीवाश्म स्थलों का सर्वेक्षण पूरा हो गया है।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने प्रशासन के अनुरोध पर यह फील्ड स्टडी की थी। जांच में एक नए 'फॉसिल बेड' की पुष्टि हुई है, जो होलोसीन काल (करीब 8,000 से 12,000 साल पुराना) का माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह खोज भारत के क्वाटरनरी काल के जीवाश्म रिकॉर्ड को और समृद्ध करेगी। इस खोज से देश के प्राचीन वन्यजीवन, पर्यावरण और जलवायु के बारे में अहम जानकारी मिल सकेगी। यादव ने

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के विशेषज्ञों की सराहना करते हुए कहा कि वैज्ञानिकों के तेज और प्रभावी कार्रवाई से भारत की प्राकृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि जीवाश्म मुख्य रूप से थूथुकुड़ी के पास पनाइयूर, पट्टिनमरुदुर और कायलपट्टिनम क्षेत्रों में पाए गए हैं।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने 104 जीवाश्म नमूने एकत्र किए हैं, जिसमें मोलस्कन (गैस्ट्रोपोड और बाइवाल्व) नमूने और जीवाश्म युक्त चट्टान के टुकड़े शामिल हैं। यह खोज दक्षिणी भारत के तटीय क्षेत्रों के भूवैज्ञानिक इतिहास और प्राचीन समुद्री वातावरण को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संकेत देता है कि यह क्षेत्र कभी समुद्र तटीय सीमा का हिस्सा था।

तेल-गैस आपूर्ति में चुनौतियों के बावजूद एलपीजी और खाद पर्याप्त, नाविक सुरक्षित, खाड़ी देशों से संपर्क मजबूत: केंद्र

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-अमेरिका और इजराइल युद्ध के बीच भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री सुरक्षा, विदेश नीति और खाद उपलब्धता पर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते होने वाले तेल और गैस की आपूर्ति में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, इसके बावजूद देश में एलपीजी और उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है।

भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। खाड़ी देशों के साथ संपर्क बढ़ाया जा रहा है और किसी भी तरह की कमी या संकट की आशंका नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में रोजाना होने वाली अंतर्मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में बताया कि वाणिज्यिक एलपीजी का आवंटन 70 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। अप्रैल माह में अबतक 1.65 लाख टन से अधिक वाणिज्यिक एलपीजी की बिक्री हो चुकी है। अब तक 93 प्रतिशत सिलेंडर डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड के माध्यम से की जा रही है। कुछ जगहों पर पैनिक

बाइंग देखी जा रही है, लेकिन एलपीजी की पर्याप्त आपूर्ति है और किसी भी वितरक पर कमी नहीं है।

केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक मंदीप सिंह रंधावा ने कहा कि 25 अप्रैल को ओमान के शिनास पोर्ट पर टोगो-ध्वज वाले रासायनिक टैंकर एमटी सिरोन पर कुछ लोग चढ़ गए थे। ईरानी कोस्ट गार्ड ने हस्तक्षेप कर चेतावनी दी। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी भी भारतीय जहाज पर असर नहीं पड़ा है।डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम ने पिछले 24 घंटे में 7,780 कॉल और 16,650 ईमेल संभाले हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर भारत ने खाड़ी देशों के साथ संपर्क बढ़ाया है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 25-26 अप्रैल को यूएई का दौरा किया और राष्ट्रपति से मुलाकात कर प्रधानमंत्री के शुभकामनाएं दीं।

दोनों पक्षों ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर चर्चा की। यह एक महीने में भारत से यूएई की दूसरी उच्च स्तरीय यात्रा है। इससे पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 11-12 अप्रैल को यूएई का दौरा किया था। उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा शर्मा ने कहा कि देश में खाद की उपलब्धता आवश्यकता से कहीं अधिक है। 1 अप्रैल से 26 अप्रैल तक यूरिया की उपलब्धता 71.58 लाख मीट्रिक टन रही, जबकि आवश्यकता 18.17 लाख मीट्रिक टन थी। इसी तरह डीएपी की उपलब्धता 22.35 लाख मीट्रिक टन रही, जबकि आवश्यकता 5.90 लाख मीट्रिक टन थी। उन्होंने कहा कि खाद सुरक्षा मजबूत, स्थिर और सुचारू है और कहीं कोई कमी नहीं है।

दिलीप कुमार ने सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। दिलीप कुमार ने सोमवार को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) का कार्यभार संभाल लिया।

इस्पात मंत्रालय के मुताबिक इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (आईआरएसएमई) के वरिष्ठ अधिकारी दिलीप कुमार ने आज स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उनके पास ट्रेन संचालन, रोलिंग स्टॉक रखरखाव और मानव संसाधन प्रबंधन में दो दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। मंत्रालय ने कहा कि दिलीप कुमार ने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के अपर मंडल रेल प्रबंधक और बिहार के नालंदा में हरनौत के मुख्य कारखाना प्रबंधक का पद शामिल है। उन्हें कई नवाचारों जैसे पूर्व मध्य रेलवे की पहली आईएसओ 9001 प्रमाणित ट्रेन, वैगन्स में इन-सिटु व्हील रिप्लेसमेंट तकनीक की शुरुआत करने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित मधुबनी रेलवे स्टेशन सौंदर्यीकरण परियोजना का श्रेय जाता है।

इस्पात मंत्रालय के मुताबिक आईआईटी, बीएचयू से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक कुमार को 'राष्ट्रीय उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार' 2016 और सर्वश्रेष्ठ नवाचार के लिए 'रेलवे बोर्ड का उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' 2018-19 से सम्मानित किया जा चुका है।

पत्नी की हत्या के दोषी को उम्रकैद

सोलन। जिला सोलन की अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश-1 की अदालत ने पत्नी की हत्या के एक मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी संदीप कुमार (निवासी वीपीओ दुर्जनपुर, तहसील बरिया, जिला बाला, उत्तर प्रदेश) को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने आरोपी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में उसे एक माह का साधारण कारावास अतिरिक्त भुगतना होगा।

यह मामला तहसील कसौली के अंतर्गत लोअर कसौली क्षेत्र का है, जहां आरोपी ने अपनी पत्नी काजल की हत्या कर दी थी। लोक अभियोजक चंद्र सागर नेगी के अनुसार, आरोपी की शादी वर्ष 2021 में शिकायतकर्ता देव नाथ की पुत्री काजल के साथ हुई थी। विवाह के बाद आरोपी अक्सर शराब के नशे में अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। मामले में यह भी सामने आया कि आरोपी के पड़ोस में रहने वाली एक अन्य महिला के साथ संबंधों के चलते पति-पत्नी के बीच विवाद लगातार बढ़ता गया। घटना 3 व 4 दिसंबर 2021 की मध्यरात्रि की है, जब आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर उसका गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। अगले दिन मृतका के पिता ने पुलिस थाना परवाणू में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच उप निरीक्षक भगत राम द्वारा पूरी की गई और पर्याप्त साक्ष्य जुटाने के बाद अदालत में चालान पेश किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से इस मामले में कुल 10 गवाह पेश किए गए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई।

एक माह बाद जोधपुर एयरपोर्ट मंगलवार से शुरू होगा, फिर उड़ान भरेंगे विमान

जोधपुर। रनवे मरम्मत कार्य के चलते पिछले करीब एक महीने से बंद जोधपुर एयरपोर्ट मंगलवार से फिर शुरू हो रहा है। इसी के साथ जोधपुर एयरपोर्ट पर समर शेड्यूल लागू हो जाएगा। इस बार छह शहरों के लिए 9 उड़ानें संचालित होनी हैं। सभी फ्लाइट्स समर शेड्यूल के तहत चलेंगी। बताया गया है कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद सहित छह शहरों से कनेक्टिविटी रहेगी। हमेशा की तरह इस गर्मी में भी जयपुर-जोधपुर फ्लाइट बंद कर दी गई है। इसके अलावा इंदौर के लिए भी फ्लाइट नहीं है, लेकिन दूसरी तरफ इस साल पहली बार गर्मियों में जैसलमेर एयरपोर्ट का संचालन शुरू किया जा रहा है। जैसलमेर एयरपोर्ट से 3 मई से एकमात्र जैसलमेर-जयपुर उड़ान का संचालन एलायंस एयर की ओर से किया जाएगा।

बीजद ने 'दलबदल' के आरोप में आठ विधायकों की अयोग्यता की मांग की

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी लाइन से अलग वोट करने वाले अपने आठ विधायकों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए उन्हें ओडिशा विधानसभा से अयोग्य घोषित करने की मांग की है।

पार्टी ने इन विधायकों पर दल-विरोधी गतिविधियों और व्हिप का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। बीजद की वरिष्ठ नेता एवं विपक्ष की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने

कहा कि संबंधित विधायकों ने पार्टी हितों के खिलाफ काम किया है और अब उन्हें पार्टी में बने रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि या तो वे स्वेच्छा से इस्तीफा दें या अयोग्यता का सामना करें। मल्लिक ने इन विधायकों को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उन्हें जनता का समर्थन प्राप्त है, तो वे उपचुनाव लड़कर इसे साबित करें। इस मांग का समर्थन करते हुए बीजद विधायक अरुण कुमार साहू ने बताया कि पार्टी के विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर औपचारिक रूप से अयोग्यता की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विधायकों ने न केवल पार्टी व्हिप का उल्लंघन किया, बल्कि स्वयं को पार्टी से अलग भी कर लिया। साहू ने कहा कि इस कदम से पहले कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों से परामर्श लिया गया है। उन्होंने बताया कि इन विधायकों ने कथित तौर पर राज्यसभा चुनाव में पार्टी निर्देशों के बावजूद किसी अन्य उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। बीजद ने चुनाव से दो दिन पहले अपने विधायकों को पार्टी मुख्यालय में उपस्थित रहने और आधिकारिक बैठक में शामिल होने का निर्देश जारी किया था, लेकिन आरोपित विधायकों ने इसका पालन नहीं किया।

मप्र की 'बाग प्रिंट' कला को मिलेगा वैश्विक मंच अंतरराष्ट्रीय मेले 'फोयर डे पेरिस' में होगी प्रदर्शित

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय कला को राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिये निरंतर प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश की विशिष्ट 'बाग प्रिंट' कला को फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित मेले 'फोयर डे पेरिस' में प्रदर्शित किया जायेगा।

जनसंपर्क अधिकारी जूही श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि यह मेला 30 अप्रैल से 11 मई तक पेरिस के पोर्टे डे वर्साय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा। केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा देशभर से चयनित पांच श्रेष्ठ शिल्पकारों में प्रदेश के नेशनल अवार्डी शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री को शामिल किया गया है। वे इस मेले में प्रदेश की 'बाग प्रिंट' कला का प्रतिनिधित्व करते हुए मास्टर

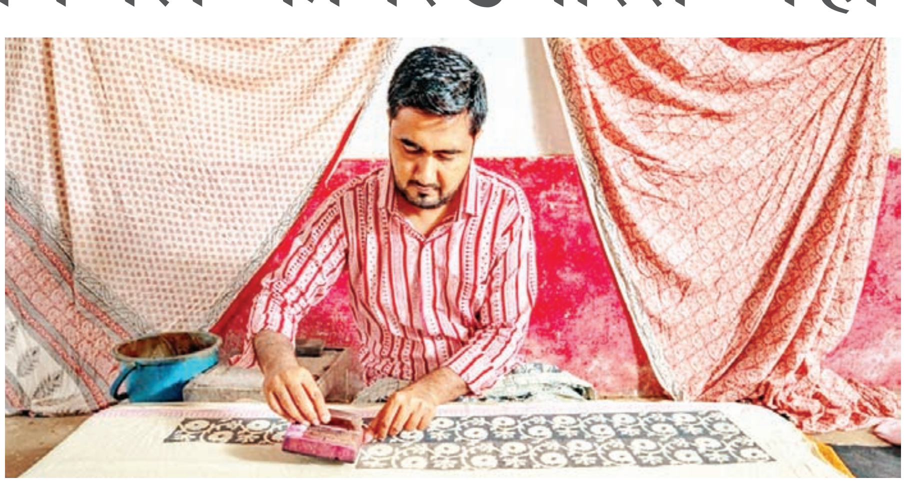

क्राफ्ट्समैन के रूप में शामिल होंगे। 'बाग प्रिंट' हस्तशिल्प भौगोलिक संकेत (जीआई) के अंतर्गत संरक्षित है। उन्होंने बताया कि इस अन्तरराष्ट्रीय मेले में बिलाल खत्री 'बाग प्रिंट' कला का लाइव प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक प्राकृतिक रंगों, नक्काशीदार लकड़ी के ब्लॉक्स और हस्तनिर्मित तकनीकों के माध्यम से कपड़ों पर उभरती कलाकृतियों को अन्तरराष्ट्रीय दर्शक प्रत्यक्ष देख सकेंगे।

यह भारतीय हस्तशिल्प की गहराई और सौंदर्य को समझने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि इस विशेष प्रदर्शनी के लिए तैयार किए गए डिजाइन में भारतीय पारंपरिक शिल्प और आधुनिक वैश्विक सौंदर्यबोध का समन्वय किया गया है। यूरोपीय बाजार की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई ये कृतियां 'बाग प्रिंट' को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देंगी। 'बाग प्रिंट' मध्य प्रदेश के धार जिले के बाग क्षेत्र की पारंपरिक हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग कला है। बाग एक छोटा जनजातीय कस्बा है, जहां भील और भिलाला समुदाय निवास करते हैं और प्राचीन बाघ गुफाएं भी स्थित हैं। इस कला की परंपरा खत्री समुदाय द्वारा लगभग 400 वर्ष पूर्व सिंध के लरकाना क्षेत्र से आकर स्थापित की गई मानी जाती है। इस शिल्प में सूती और रेशमी कपड़ों को पारंपरिक प्राकृतिक प्रक्रियाओं से तैयार किया जाता है।

लोहे के संक्षारण, धवाड़ी फूल और मायरोबालन के मिश्रण के साथ-साथ फिटकरी और एलिजारिन का उपयोग किया जाता है। कुशल कारीगरों द्वारा लकड़ी के ब्लॉक्स से डिजाइन तैयार कर उन्हें हाथ से भरा जाता है। तैयार वस्त्रों को बहते पानी में धोकर धूप में सुखाया जाता है, जिससे उन्हें विशिष्ट फिनिश प्राप्त होती है। 'बाग प्रिंट' में लाल और काले रंग के ज्यामितीय एवं पुष्पीय रूपांकन प्रमुख होते हैं।

पश्चिम बंगाल में चुनावी जब्ती 510 करोड़ पार, पिछले चुनाव से 339 करोड़ अधिक

नई दिल्ली,। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान अब तक अवैध नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातु और अन्य वस्तुओं को मिलाकर कुल मूल्य 510 करोड़ रुपये से अधिक की चीजें जब्त की हैं। यह आंकड़ा 2021 के विधानसभा चुनावों में दर्ज 339 करोड़ रुपये की जब्ती से भी अधिक है।

चुनाव आयोग ने बताया कि अब तक पश्चिम बंगाल में 2,728 फ्लाइंग स्क्वाड टीमों और 3,142 निगरानी टीमों को तैनात किया गया है। ये टीमें शिकायतों पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई करती हैं और विभिन्न स्थानों पर अचानक नाके लगाकर जांच करती हैं। इसके अलावा अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और वितरण के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग के अनुसार 27 अप्रैल तक पश्चिम बंगाल में 30 करोड़ रुपये नकद, 48 लाख लीटर से अधिक शराब जिसकी कीमत 126.85 करोड़ रुपये है, 110.12 करोड़ रुपये मूल्य के ड्रग्स, 58.28

करोड़ रुपये कीमती धातु और 184.85 करोड़ रुपये मूल्य के अन्य सामान जब्त किए गए।

उल्लेखनीय है कि आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों तथा उपचुनावों की घोषणा की थी। आयोग ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को मॉडल आचार संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी करेंगे 163 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बरेका के विशाल मैदान से 6332 करोड़ रूपये की 163 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसमें 1054 करोड़ की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण होना है और 5277 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास होगा।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बरेका के मैदान से 50 हजार स्थानीय महिलाओं एवं भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अप्रैल को वाराणसी में बरेका के विशाल मैदान से 6332 करोड़ रूपये की 163 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसमें 1054 करोड़ की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण होना है और 5277 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास होगा। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी बरेका के मैदान से 50 हजार स्थानीय महिलाओं एवं भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

महिला सम्मेलन में महिलाओं के पहुंचने के लिए भाजपा के महानगर के पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि अपनी पूरी क्षमता से संपर्क कर रहे हैं। महिलाओं से संपर्क के कार्य में बड़ी संख्या में भाजपा की महिला पदाधिकारी भी जबरदस्त उत्साह से जुटी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के उत्साह के संबंध में महानगर महामंत्री जगदीश त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भी अपने संसदीय क्षेत्र आते हैं तो शहर को विकास ही देकर जाते हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह और उमंग भर देते हैं। इस बार प्रमुख परियोजनाएं जिसका लोकार्पण एवं शिलान्यास होना है, उसमें नगर निगम कार्यालय भवन का निर्माण, रेलवे रोड ब्रिज का निर्माण, अस्सी घाट पर पार्क का विकास, दीनदयाल अस्पताल का विस्तार, 100 बेड वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण, चौड़ीकरण नई सड़क, पेयजल सीवर नेटवर्क विस्तार, छात्रावास बाल गृह निर्माण, 24 घंटे बिजली आपूर्ति योजना शामिल हैं। विकास के नए आयाम जुड़ने जा रहे हैं।

भाजपा की पदाधिकारी साधना वेदांती और पूजा दीक्षित ने कहा कि नारी वंदन अधिनियम को प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में पास कराने का पूरा प्रयास किया लेकिन विपक्ष की दुर्भावना के कारण ऐतिहासिक अधिनियम को हम महिलाओं के पक्ष में लाया नहीं जा सका। 28 अप्रैल को महिला सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हम महिलाओं के भविष्य को लेकर तमाम महत्वपूर्ण बातों को रखेंगे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति को लेकर डोर टू डोर संपर्क कर पंपलेट बांटकर माता बहनों को आमंत्रित किया जा रहा है। वाराणसी के ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल और जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा भी सुबह शाम संपर्क में जुटे हुए हैं।

वही, 28 अप्रैल के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल भी वाराणसी में अपनी उपस्थिति दर्ज करा स्थानीय पदाधिकारियों का हौसला बढ़ा रहे हैं।

अधिकारी संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं का कराएं निराकरण : सीएम योगी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पश्चिम बंगाल रवाना होने से पहले सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों की पीड़ा सुनी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए सभी फरियादियों से मुलाकात की। एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान कराने को कहा।

राजस्व व पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हीलाहवाली नहीं चलेगी, समय सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करके पीड़ित को सूचित करना होगा। 'जनता दर्शन' में आए कुछ फरियादियों से मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या जनपद में किसी अधिकारी से मिलकर आपने समस्या बताई ? पता चला-नहीं, इस पर मुख्यमंत्री ने फरियादियों से कहा कि बेतहाशा गर्मी में आप परेशान न हों। पहले अपने जनपद में तैनात अधिकारियों से पीड़ा बताएं। हर हाल में सुनवाई होगी और समस्या का यथोचित समाधान भी। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि धूप-गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बच्चों को किया दुलार, चॉकलेट भी दी मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में परिजनों के साथ आए बच्चों पर अपना स्नेह लुटाया। उन्हें चॉकलेट के साथ आशीर्वाद भी दिया। मुख्यमंत्री ने मां की गोद में बैठे बच्चों से पूछा कि चॉकलेट चाहिए तो एक बच्चे ने मुस्कराकर अभिव्यक्ति दी, इस पर मुख्यमंत्री ने उसे चॉकलेट दिया। चॉकलेट पाकर बच्चा खिलखिला उठा

खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से कार टकरायी, तीन युवकों की मौत

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के गोला क्षेत्र में एक कार के गेहूं से लदी खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराने की घटना में उस पर तीन युवकों की मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि गोला थाना क्षेत्र के कोहरी बुजुर्ग गांव में रविवार देर रात गोला थाना क्षेत्र में बड़हलगंज से गोला की ओर जा रही एक कार सड़क किनारे गेहूं से लदी खड़ी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकरायी।

उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा ट्रॉली में बुरी तरह फंस गया, जिससे अंदर बैठे लोग उसी में फंसकर रह गए। सूत्रों ने बताया कि एयरबैग खुलने के बावजूद गाड़ी का ढांचा बुरी तरह पिचककर उन पर गिर जाने के कारण वे लोग अंदर ही फंसे रहे। उन्होंने बताया कि जोरदार टक्कर की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मलबे में फंसे लोगों को मशीन के जरिये बाहर निकाला गया लेकिन तब तक कार चालक कुणाल यादव (20) और उनके बगल में बैठे अमन उर्फ अजय यादव (21) की मौत हो चुकी थी। सूत्रों ने बताया कि पीछे की सीट पर बैठे अंकुर उर्फ प्रसून यादव (22) ने गोरखपुर स्थित एम्स ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

परिजन के अनुसार, कुणाल इंटरमीडिएट का छात्र था और अपने दो भाइयों में सबसे बड़ा था, जबकि अमन और अंकुर किसान परिवारों से ताल्लुक रखते थे। कार के मालिक पुष्कर यादव ने बताया कि अंकुर ने रात करीब आठ बजे अपने पिता की तबीयत खराब होने का हवाला देकर गाड़ी उधार ली थी। थाना प्रभारी राकेश रोशन सिंह ने बताया कि अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। दोनों गाड़ियों को ज़ब्त कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

अपार्टमेंट में आग लगने से 4 वाहन जलकर खाक

बरेली। प्रेमनगर इलाके में स्थित एक अपार्टमेंट के भूतल में सोमवार की सुबह कथित तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लग गयी जिसमें दो कार एवं दो दुपहिया वाहन जलकर राख हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मनु शर्मा ने बताया कि सुबह करीब पांच बजकर पांच मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि तत्काल दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया। शर्मा ने बताया कि टीम ने तेजी से कार्रवाई कर आग को फैलने से रोका और पंपिंग के जरिए बुझा दिया। शुरुआती जांच में विद्युत पैनल में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग की शुरुआत ग्राउंड फ्लोर पर लगे विद्युत पैनल से हुई। पहले चिंगारी निकली और फिर आग ने पास खड़े वाहनों को चपेट में ले लिया। कुछ ही मिनटों में कारें और बाइक आग का गोला बन गईं और लोग वाहनों को बचाने का प्रयास भी नहीं कर सके।

टेम्पो और ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत, 10 अन्य घायल

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के राजेपुर क्षेत्र में सोमवार को एक टेम्पो और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि 10 अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजेपुर थाना क्षेत्र के चाचूपुर मोड़ पर एक टेम्पो और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गयी जिसमें सतेन्द्र कुमार (33), उसकी पत्नी तनु (29) तथा युवराज नामक दो वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि हादसे में टेम्पो सवार 10 अन्य लोग भी गम्भीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि उनमें से चार को नाजुक हालत के मद्देनजर सैफई के हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि टेम्पो शाहजहांपुर स्थित अल्लाहगंज जा रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिये भेजे हैं

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन दोस्तों की मौत

बहराइच। जिले के रामगांव क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन दोस्तों की मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि 26/27 अप्रैल की दरम्यानी रात रामगांव थाना क्षेत्र के नौतला गांव में श्रीराम जानकी इंटर कॉलेज के पास किसी अज्ञात वाहन ने एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोपहिया वाहन सवार रिंकू जायसवाल (18), उत्तम चौहान (19) और अजय चौहान (20) नामक युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि तीनों युवक आपस में दोस्त थे और एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। सूत्रों ने बताया कि तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

महिला डॉक्टर का शव संदिग्ध हालात में कमरे में पाया गया

आगरा। जिले में हॉस्टल में रहकर एमडी की पढ़ाई कर रही एक महिला चिकित्सक का शव सोमवार को संदिग्ध हालात में उसके कमरे में मिला। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त मनीषा ने बताया कि आगरा के मानसिक स्वास्थ्य संस्थान केंद्र में एमडी की पढ़ाई कर रही डॉक्टर वर्तिका (28) का शव हॉस्टल के कमरे में मिला ।

उन्होंने बताया कि रविवार को परिजनों के बार-बार फोन करने के बावजूद वर्तिका की तरफ से कोई जवाब नहीं आने पर उन्होंने उसके दोस्तों को फोन किया जिन्होंने हॉस्टल जा कर देखा तो कमरे का दरवाजा बंद था। मनीषा ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ कर देखा तो वर्तिका बिस्तर पर बेसुध पड़ी पायी गयी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने वर्तिका को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सहायक पुलिस ने बताया कि वर्तिका के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक की जांच में पता चला है कि डॉक्टर वर्तिका मानसिक रूप से परेशान थीं और उनका इलाज भी हो रहा था।

उन्होंने कहा कि डॉक्टर की मौत की असल वजह पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगी। मनीषा ने बताया कि अभी तक किसी भी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है और साथ ही डेटा का अध्ययन भी किया जा रहा है।

पंचायत चुनावों को लेकर दो याचिकाओं पर सुनवाई 30 अप्रैल को

प्रयागराज। पंचायत चुनावों का विस्तृत कार्यक्रम प्रस्तुत करने का राज्य चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस विषय पर एक अन्य याचिका के साथ इस पर 30 अप्रैल को सुनवाई करने का आदेश दिया है। सोमवार को जब यह मामला सुनवाई के लिए आया, याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को सूचित किया कि यही प्रार्थना के साथ एक अन्य याचिका पर सुनवाई 30 अप्रैल को होनी है इसलिए उसी दिन दोनों याचिकाओं पर सुनवाई की जाए। न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की पीठ ने पूर्व में इम्तियाज हुसैन नाम के व्यक्ति द्वारा दायर याचिका के साथ मौजूदा याचिका को संलग्न करने का निर्देश दिया। इससे पूर्व, इम्तियाज द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य चुनाव आयोग को इस बाबत एक हलफनामा दाखिल करने को कहा था कि क्या वह संविधान के अनुच्छेद 243ई के जनादेश के मुताबिक चुनाव संपन्न कराने की स्थिति में है। यह चुनाव 26 मई, 2026 से पूर्व संपन्न हो जाना चाहिए। अदालत ने कहा, "प्रतिवादी संख्या दो (राज्य चुनाव आयोग) से अपेक्षा है कि चुनाव संपन्न कराने का पूरा कार्यक्रम तय किया जाना चाहिए और अगली तिथि पर अदालत के समक्ष पेश किया जाना चाहिए।"

यह तो ईश्वर की कृपा, किसी को ज़्यादा बच्चे, किसी को कम : दयाशंकर सिंह

बलिया। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने देश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए सख्त कानून की मांग के बीच कहा कि 'यह ईश्वर की कृपा है कि किसी को ज्यादा बच्चे होते हैं, किसी को कम। सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट ऑथोरिटी बताया। सोमवार को जिला मुख्यालय पर महिला जन आक्रोश अभियान कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए सिंह ने कहा कि भारत में किसी पर रोक नहीं है। यह तो ईश्वर की कृपा है। किसी को पांच बच्चे होते हैं, किसी को एक भी नहीं होते।

अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं। ये कभी सत्ता में आने वाले नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि 2012 में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया था। उन्होंने इन्हें मुख्यमंत्री बनाया। उसके बाद से ये (अखिलेश) लगातार हार रहे हैं। सपा के पीडीए को लेकर सिंह ने कहा कि इनके पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट ऑथोरिटी है, यानी केवल परिवार के लोग। पीडीए में दूसरा कोई नहीं। ये निश्चित करें कि इनकी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष पीडीए का कोई दूसरा सामान्य व्यक्ति होगा, तब माना जाएगा कि ये पीडीए के हितैषी हैं।

भाजपा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा में सामान्य लोग ही प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राष्ट्रपति बनते हैं। मध्यप्रदेश में उन्हीं के वर्ग के मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया गया है। क्या अखिलेश यादव की पार्टी का कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री बनने का सपना देख सकता है?

कर्ज से परेशान बुजुर्ग किसान दंपति ने जहर खाकर की आत्महत्या

मैनपुरी। मैनपुरी जिले के बरनाहल थाना क्षेत्र के अढूपुर गांव में एक बुजुर्ग किसान दंपति ने संदिग्ध परिस्थितियों में सल्फास खाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक ने छोटे बेटे की नौकरी के लिए दो बीघा जमीन बेची थी और फसल खराब होने से लिए गए कर्ज को चुका नहीं पा रहे थे।

बरनाहल के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने बताया कि अढूपुर निवासी संतोष कुमार (66) और उनकी पत्नी राधा देवी (60) ने गांव से करीब दो किलोमीटर दूर जहर खा लिया, जहां दोनों बेहोशी की हालत में मिले। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौके से सल्फास बरामद हुआ है। गांववालों के अनुसार, संतोष कुमार ने अपने छोटे बेटे दिलीप कुमार (32) की सेना में नौकरी के दौरान दो बीघा जमीन बेची थी। उन्होंने 60,000 रुपये का फसल ऋण भी लिया था। आलू की फसल में नुकसान के कारण कर्ज ब्याज समेत 2.82 लाख रुपये हो गया था, जिसे वे चुका नहीं पाए।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिषेक तिवारी ने बताया कि उनके बड़े बेटे प्रदीप ने कहा कि वह माता-पिता के साथ गांव में रहता था। शनिवार शाम माता-पिता बेहोश मिले, जिनकी अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद तथ्यों के आधार पर कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि मृतक पर 60,000 रुपये का कर्ज था, जो ब्याज सहित 2.82 लाख रुपये हो गया था। करीब चार महीने पहले वसूली प्रमाण पत्र जारी हुआ था, लेकिन कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि छोटा बेटा कर्ज चुकाने के लिए जमीन बेचने का दबाव बना रहा था, जबकि बड़ा बेटा और मृतक इसके लिए तैयार नहीं थे। यही पारिवारिक कलह का मुख्य कारण था। उन्होंने कहा कि बरनाहल थाने में अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है।

पीपल का पेड़ गिरा दो युवकों की मौत

गोंडा। जनपद गोंडा के नवाबगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को सड़क किनारे एक जर्जर पीपल का पेड़ अचानक गिर गया। उसकी चपेट में आने से बाइक सवार दो भाईयों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नवाबगंज थाना प्रभारी अभय सिंह ने बताया कि पिपरी गांव के पास नवाबगंज-तरबगंज मार्ग पर सोमवार को एक पुराना पीपल का पेड़ अचानक गिर गया। उसकी चपेट में आकर बाइक सवार नकच्छेद के पुत्र रिंकू और अमित की मौत हो गई। वह मोटर साइकिल से नवाबगंज की ओर जा रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि पेड़ काफी पुराना है और नीचे से जर्जर हो चुका था। पेड़ गिरने की घटना इतनी अचानक हुई कि दोनों युवकों को संभलने का मौका नहीं मिला और वे उसके नीचे दब गए। स्थानीय लोगों की मदद से पेड़ के नीचे दबे शवों को बाहर निकाला और पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कई वाहन आपस में टकराए, ट्रकों में आग लगने से दो चालक जिंदा जले

बहराइच। जिले के दरगाह शरीफ थाना क्षेत्र में आसाम चौराहे के पास कई वाहनों की आपस में टक्कर के बाद दो ट्रकों के केबिन में आग लग गई जिससे दो चालक जिंदा जल गए और एक खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, बहराइच बाईपास पर लोहे की मशीनरी लदी पंजाब नंबर का ट्रक, सीमेंट लदा हरियाणा नंबर का ट्रेलर (बड़ ट्रक) और लखनऊ नंबर का पिकअप वाहन रविवार रात आपस में टकरा गए जिसके बाद दोनों मालवाहक वाहनों के केबिन में भीषण आग लग गई। उसने बताया कि दोनों चालक केबिन में ही फंस गए और जिंदा जल गए। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि ट्रेलर के चालक की पहचान प्रयागराज निवासी जीतलाल यादव (55) के रूप में हुई है और ट्रेलर का खलासी गंभीर रूप से घायल हो जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया ट्रक चालक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। वाहन मालिक से संपर्क का प्रयास जारी है। थाना प्रभारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। पुलिस के मुताबिक, लखनऊ नंबर का पिकअप वाहन भी दुर्घटनाग्रस्त मिला, लेकिन उसमें कोई सामान या सवार नहीं मिला।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पिकअप में सवार तीन लोग हादसे के बाद मौके से चले गए थे। ट्रक और ट्रेलर के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया और शवों को निकालने के लिए हाइड्रा मशीन से वाहनों की बॉडी काटनी पड़ी, जिसमें करीब तीन घंटे लगे।

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा पचास हजार का इनामी गौ तस्कर

प्रयागराज। एसटीएफ प्रयागराज ने सोमवार को कर्नलगंज थाना क्षेत्र में स्थित हवाई जहाज चौराहे के समीप से पचास हजार के इनामी गौ मांस तस्कर को गिरफ्तार किया। इसके खिलाफ प्रतापगढ़ के देल्हूपुर थाने में गौ हत्या एवं मांस की तस्करी का मुकदमा दर्ज किया गया है। इसकी गिरफ्तारी के लिए पचास हजार का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ प्रयागराज फील्ड इकाई शैलेश प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित मऊआइमा थाना एवं कस्बा निवासी अब्दुल उर्फ नूर अहमद जो वर्तमान में चुपचाप कर्नलगंज के कटरा में रहे रहा था। पूछताछ के दौरान अब्दुल ने बताया कि मैं मेरे साथी गौमांस की तस्करी करते हैं। इसी कारोबार के तहत प्रतापगढ़ के देल्हूपुर थाना क्षेत्र में नदी के किनारे गाय का सिर काटकर नदी में फेंक दिया और शरीर का मांस बेचने के लिए उठा ले गए। हालांकि बाद में इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है गिरफ्तार करने के लिए पचास का इनाम घोषित कर दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ ने बताया कि इसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयागराज फील्ड इकाई के प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक विनय कुमार तिवारी एवं उनकी टीम को निर्देश दिया गया था। मुखबिर की सूचना पर सोमवार को कर्नलगंज थाना क्षेत्र के कटरा हवाई जहाज चौराहे के समीप से आरोपित को गिरफ्तार किया और विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया।

नेपाल के 14-वर्षीय बच्चे को मिला नया जीवन

गाजियाबाद। वैशाली स्थित मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने नेपाल के 14-वर्षीय एक बच्चे का सफल इलाज किया, जो गंभीर और दवाओं से नियंत्रित न होने वाली मिर्गी से जूझ रहा था। इस जटिल स्थिति का इलाज एडवांस वैगल नर्व स्टिमुलेशन थेरेपी के माध्यम से किया गया। काव्य आचार्य बचपन से ही मिर्गी की समस्या से पीड़ित था। उनके मस्तिष्क में एक जेनेटिक समस्या के कारण बार-बार दौरे पड़ते थे, जिससे उनके विकास और रोजमर्रा के जीवन पर गहरा असर पड़ रहा था। कई एंटी-सीज़र दवाओं के बावजूद उन्हें रोजाना 12 से 15 दौरे आ रहे थे। नेपाल में सभी उपचार विकल्प खत्म होने के बाद, परिवार अपने इकलौते बेटे के बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर भारत आया और मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के विशेषज्ञों पर भरोसा जताया।

अस्पताल पहुंचने के बाद काव्य की विस्तृत मेडिकल जांच की गई। जांच में सामने आया कि उनके दौरे का स्रोत मस्तिष्क के कई हिस्सों से जुड़ा हुआ है और इसे किसी एक स्थान पर सीमित नहीं किया जा सकता, जिसके कारण क्यूरेटिव ब्रेन सर्जरी संभव नहीं थी। इस मामले पर बात करते हुए, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली, के न्यूरोसर्जरी विभाग के सीनियर डायरेक्टर - डॉ. गौरव बंसल, ने कहा, "बच्चों में दवाओं से नियंत्रित न होने वाली मिर्गी का इलाज करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। काव्य के मामले में पारंपरिक ब्रेन सर्जरी संभव नहीं थी। विस्तृत जांच के बाद हमने वैगल नर्व स्टिमुलेशन (VNS) थेरेपी की सलाह दी, जो एक सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित न्यूरोमॉड्यूलेशन तकनीक है। इस प्रक्रिया में छाती की त्वचा के नीचे एक छोटा प्रोग्रामेबल डिवाइस लगाया जाता है, जो वैगस नर्व (एक प्रमुख नस जो मस्तिष्क को शरीर के महत्वपूर्ण अंगों से जोड़ती है) को नियंत्रित इलेक्ट्रिकल सिग्नल भेजता है, जिससे मस्तिष्क की असामान्य गतिविधि को नियंत्रित किया जा सके।" आगे जानकारी देते हुए, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली, के न्यूरोसर्जरी विभाग के कंसल्टेंट - डॉ. गौरव बत्रा, ने कहा, "यह तरीका हमें बिना सीधे मस्तिष्क पर सर्जरी किए दौरे की गंभीरता को कम करने में मदद करता है। इस केस की खास बात सिर्फ इसका क्लिनिकल सक्सेस नहीं है, बल्कि यह उन परिवारों के लिए उम्मीद की किरण है जो ऐसे जटिल न्यूरोलॉजिकल रोगों से जूझ रहे हैं। यह केस हमारे कॉम्प्रिहेंसिव एपिलेप्सी प्रोग्राम को और मजबूत बनाता है। एडवांस न्यूरोमॉड्यूलेशन थेरेपी के जरिए अब हम उन मरीजों को भी प्रभावी इलाज दे पा रहे हैं, जिनका पहले इलाज संभव नहीं था।"

सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की गई और इसके बाद बच्चे को पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट में निगरानी में रखा गया। काव्य की स्थिति तेजी से स्थिर हुई और उन्हें केवल 2 दिनों के भीतर डिस्चार्ज कर दिया गया। शुरुआती परिणाम बेहद सकारात्मक रहे, जहां उनके दौरे अब काफी कम होकर कभी-कभार ही रह गए हैं, जिससे उनकी जीवन गुणवत्ता में बड़ा सुधार आया है। हालांकि VNS थेरेपी के पूरे लाभ धीरे-धीरे समय के साथ मिलते हैं, लेकिन इस शुरुआती सुधार ने परिवार को बड़ी राहत और नए भविष्य की उम्मीद दी है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली, एडवांस न्यूरोलॉजिकल केयर के क्षेत्र में अपनी पहचान को लगातार मजबूत कर रहा है। डेडिकेटेड एपिलेप्सी क्लिनिक, अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स, एक्सपर्ट न्यूरोसर्जिकल टीम, स्पेशलाइज्ड न्यूरो-क्रिटिकल केयर और स्ट्रक्चर्ड रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम के साथ अस्पताल हर मरीज को पर्सनलाइज्ड और एविडेंस-बेस्ड ट्रीटमेंट देने के लिए मल्टीडिसिप्लिनरी और प्रोटोकॉल-ड्रिवन अप्रोच अपनाता है।

पंजाब किंग्स का विजय रथ रोकने के लिए राजस्थान रॉयल्स को करना होगा कुछ खास

मुल्लांपुर। पिछले कुछ मैचों में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाने वाले राजस्थान रॉयल्स को मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अगर पंजाब किंग्स का अजेय रथ रोकना है तो रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान रियान पराग को आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। रिकी पोंटिंग का मुख्य कोच का पद संभालने और श्रेयस अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स में आमूलचूल बदलाव देखने को मिले हैं और उसने तब से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले साल उसकी टीम उप विजेता रही थी और इस साल उसने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया है।

विराट कोहली ने वर्षों तक अपनी शानदार निरंतरता के दम पर 'लक्ष्य का पीछा करने में माहिर यानी चेज-मास्टर' का तमगा अपने नाम किया था और अब अय्यर भी उसी राह पर हैं। कप्तान और बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बेहद दबाव वाली परिस्थितियों में सराहनीय धैर्य का प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स के टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने में अहम भूमिका निभाई है। अय्यर ने शानदार कप्तानी की है, लेकिन उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। पंजाब किंग्स ने पिछले सत्र में आईपीएल के इतिहास के सबसे कम स्कोर का बचाव किया था और अब उसने नयी दिल्ली में शनिवार को भीषण गर्मी के बावजूद रिकॉर्ड 265 रन के लक्ष्य को बेहद आसानी से हासिल कर लिया था। पंजाब किंग्स की सात मैचों में छह जीत (एक मैच बारिश के कारण रद्द) प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की विस्फोटक सलामी जोड़ी की बदौलत संभव हो पाई हैं। इन दोनों ने दिल्ली के खिलाफ पावरप्ले में 116 रन बनाकर अपनी टीम को कोटला में रिकॉर्ड लक्ष्य हासिल करने में मदद की। उस मैच में पंजाब किंग्स के गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई थी, लेकिन बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों और सीमा रेखा छोटी होने के कारण उन्हें ज्यादा दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

पंजाब किंग्स अपने इस घरेलू मैदान पर इस सत्र का अपना आखिरी मैच खेलेगा। उसकी टीम अपने आखिरी तीन घरेलू मैच धर्मशाला में खेलेगी, इसलिए उम्मीद की जा रही है कि परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ होने के कारण वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ भी अपना विजय अभियान जारी रखने में सफल रहेगी। राजस्थान रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पहले चार मैच जीतने के बाद उसने अपनी लय खो दी है। युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन टीम निरंतरता बनाए रखने में सफल नहीं रही है। उसने अब तक जो आठ मैच खेले हैं उनमें कप्तान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। पराग ने अभी तक आठ पारियों में केवल 88 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 112.82 है।

हर मैच के साथ उन पर दबाव बढ़ता जा रहा है। राजस्थान रॉयल्स पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने मजबूत स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया। पराग ने कहा, ''मुझे लगता है कि हर दिन अलग-अलग मैदान, अलग-अलग मैच और उनसे निपटने के अलग-अलग तरीके होते हैं। अभी हमें नहीं पता कि चंडीगढ़ में क्या होगा।

मेरे कहने का मतलब यह है कि उन्होंने दिल्ली में बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया था लेकिन चंडीगढ़ एक नया मैदान है, नई पिच है, नई मिट्टी है। इसलिए उम्मीद है कि मैच के इस स्थिति तक नहीं जाएगा।'' पंजाब किंग्स ने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए पिछले मैच में 254 रन बनाए थे और उसके बल्लेबाज अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

इस प्रकार हैं टीम

- **पंजाब किंग्स:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद।
- **राजस्थान रॉयल्स:** शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

भारतीय राइडर जोहान ने कतर सुपरस्टॉक 600 चैंपियनशिप जीती

दोहा। जोहान इमैनुअल फाइनल राउंड की दोनों रेस में पहला स्थान हासिल करके कतर सुपरस्टॉक 600 चैंपियनशिप (क्यूएसटीके) जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

चेन्नई के रहने वाले 19 वर्षीय जोहान को खिताब पक्का करने के लिए दोनों रेस जीतनी जरूरी थीं और वह इसमें सफल रहे। फाइनल राउंड की रेस से पहले वह हंगरी के मार्टन बेलेली से नौ अंकों से पीछे थे। भारतीय राइडर ने आखिर में 21 अंकों की बढ़त के साथ चैंपियनशिप अपने नाम की। उन्होंने 10 रेस में से छह में जीत हासिल की। जोहान ने कहा कि अपने पहले सत्र में ही पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतना अविश्वसनीय अहसास है। रेस के बाद मैं बेहद खुश था। मेरी सारी मेहनत और त्याग सार्थक रहा। लेकिन यह तो बस शुरुआत है, अभी लंबा सफर तय करना है।

भारत थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में

होर्सेंस (डेनमार्क)। भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी। चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा। पेरिस ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने फ्रेंच स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। यूएस ओपन चैंपियन और हाल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से आसानी से हराकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी ने रिजकी हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-18 से हराकर स्कोर 3-0 कर दिया। इससे भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित हो गई।

चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप से बाहर हो सकती हैं मीराबाई चानू

नई दिल्ली। भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में कंधे की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाएंगी। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई को फरवरी में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यह चोट लगी थी।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान मीराबाई के कंधे में हल्की चोट लग गई थी। यह साल बहुत अहम है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल होने वाले हैं और वह कोई भी जोखिम नहीं ले सकतीं।'' भारतीय टीम में मीराबाई की जगह कोमल कोहर को शामिल किए जाने की संभावना है।

मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 31 साल की मीराबाई ने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा और 116 किग्रा) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। मीराबाई 23 जुलाई से दो अगस्त तक होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 48 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी जिसके बाद अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेले 2026 के लिए वह अपना वजन बढ़ाकर 53 किग्रा वर्ग में आ जाएंगी। एशियाई खेल ही एकमात्र ऐसा बड़ा टूर्नामेंट है जिसमें मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने अभी तक कोई पदक नहीं जीता है। साथ ही यह 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी होगा।

एशियाई चैंपियनशिप मूल रूप से एक से 10 अप्रैल तक होनी थी लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण इसे एक महीने से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। यह संघर्ष अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों से शुरू हुआ था। यह पहली बार होगा जब भारत सीनियर महाद्वीपीय प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

पीवी सिंधू ने बीडब्ल्यूएफ परिषद के सदस्य के रूप में काम शुरू किया

होर्सेंस (डेनमार्क)। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व बैडमिंटन महासंघ की परिषद के सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल शुरू कर दिया है और उन्होंने दुनिया भर के खिलाड़ियों के मसलों को उठाने का वादा किया। सिंधू ने दिसंबर में बीडब्ल्यूएफ खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के बाद बीडब्ल्यूएफ परिषद में पूर्ण मतदान का अधिकार हासिल कर लिया है। सिंधू आधिकारिक तौर पर 2025 के आखिर में परिषद में शामिल हुई थी। उन्होंने 25 अप्रैल को यहां वार्षिक आम बैठक में पहली बार हिस्सा लिया और इस तरह से उनके कार्यकाल की शुरुआत हुई। सिंधू ने कहा किबीडब्ल्यूएफ के यह जिम्मेदारी निभाना और दुनिया भर के खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए वास्तव में सम्मान और सौभाग्य की बात है।''

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप: ग्रुप में दबदबा बनाने के लक्ष्य के साथ उतरेगी भारतीय टीम

लंदन। भारत की पुरुष और महिला टीम मंगलवार से यहां शुरू हो रही 2026 विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उम्मीद और दबाव के जाने-पहचाने मेल के साथ उतरेंगी। मानव ठक्कर (विश्व रैंकिंग 38), जी साथियान (42), मानुष शाह (51), हरमीत देसाई (80) और पायस जैन (127) की मौजूदगी वाली भारतीय पुरुष टीम ग्रुप सात में स्लोवाकिया, ट्यूनीशिया और ग्वाटेमाला के खिलाफ प्रबल दावेदार के तौर पर शुरुआत करेगी।

कागज पर रैंकिंग भारत के पक्ष में दिखती है, विशेषकर लुबोमीर पिस्टेज (149) और यांग वांग (184) की अगुवाई वाली स्लोवाकिया की टीम के खिलाफ। फिर भी अब संन्यास ले चुके शरत कमल के अनुभव की कमी करीबी मुकाबलों में खल सकती है। महिला टीम ग्रुप छह में यूक्रेन, युगांडा और रवांडा के साथ है। मनिका बत्रा (49) की अगुवाई वाली भारतीय टीम में यशस्विनी घोरपड़े (88), दीया चितले (92), सुतीर्था मुखर्जी (120) और सिंड्रेला दास (175) भी शामिल हैं। सिंड्रेला 16 साल की उम्र

में इस चैंपियनशिप में खेलने वाली देश की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। मार्गरीटा पेसोत्स्का (51) की अगुवाई वाली यूक्रेन की टीम भारत को ठोस चुनौती पेश करेगी जिससे पुरुषों के ग्रुप की तुलना में महिला वर्ग में अधिक कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। बुसान में हुए 2024 टूर्नामेंट में भारत की दोनों टीम नॉकआउट चरण तक पहुंचीं थी लेकिन राउंड ऑफ 32 में बाहर हो गईं। लंदन में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट का प्रारूप मुकाबले को और भी रोमांचक बना देता है। सिर्फ ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम को ही मुख्य ड्रॉ में सीधे प्रवेश मिलेगा। दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम को मुश्किल क्वालीफिकेशन का सामना करना पड़ेगा। पुरुषों के लिए टीम की गहराई अब भी एक मजबूत पक्ष है। साथियान और ठक्कर टीम में निरंतरता लाते हैं जबकि शाह का लगातार बेहतर होता प्रदर्शन टीम की ताकत को और बढ़ाता है। दूसरी ओर महिलाओं की टीम पहले से अधिक संतुलित नजर आती है।

इसमें मनिका का बड़े मुकाबलों में शांत और मजबूत प्रदर्शन करने का स्वभाव, अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल कर रही युवा खिलाड़ियों के साथ मिलकर टीम को और भी मजबूत बनाता है। अगर भारत अपनी संख्यात्मक बढ़त को शानदार प्रदर्शन में बदल पाता है और दूसरे स्थान की अनिश्चितताओं में फंसने से बचता है तो 2024 के मुकाबले इस बार और आगे बढ़ सकता है। वर्ष 1926 में इंग्लैंड में पहली आईटीटीएफ विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप होने के ठीक सौ साल बाद यह खेल उसी जगह लौट आया है जहां से इसकी शुरुआत हुई थी जिससे कि सौवीं वर्षगांठ का ऐतिहासिक जश्न मनाया जा सके।

शेयर बाजार में तीन दिन बाद तेजी लौटी, सेंसेक्स 639 अंक चढ़ा

मुंबई। वैश्विक संकेतों में सुधार और प्रमुख कंपनियों में खरीदारी के चलते घरेलू शेयर बाजारों में तीन दिन की गिरावट के बाद सोमवार को तेजी लौटी। सेंसेक्स 639 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि निफ्टी में 195 अंकों की बढ़त दर्ज की गई। विश्लेषकों के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और सन फार्मा के शेयरों में जोरदार लिवाली आने से मानक सूचकांकों में उछाल देखा गया। इसके अलावा ईरान और अमेरिका के बीच तनाव घटने के संकेतों ने भी धारणा को मजबूती दी।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 639.42 अंक यानी 0.83 प्रतिशत उछलकर 77,303.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 755.83 अंक तक चढ़कर 77,420.04 के स्तर तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 194.75 अंक

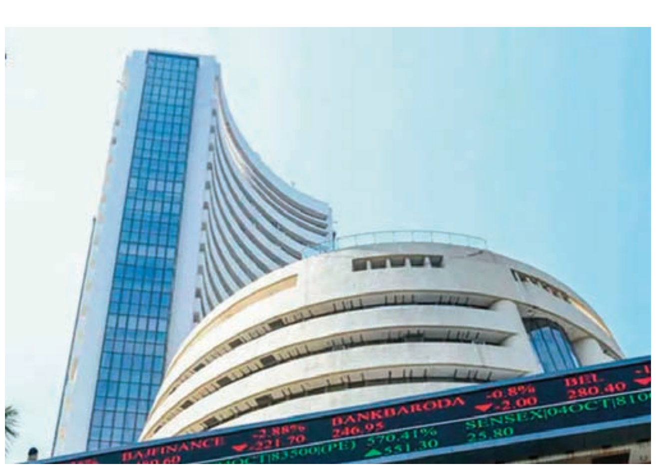

यानी 0.81 प्रतिशत बढ़कर 24,092.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा का शेयर करीब सात प्रतिशत तक उछल गया। सन फार्मा द्वारा अमेरिकी कंपनी ऑर्गेनॉन के अधिग्रहण के लिए 11.75 अरब डॉलर के सौदे की घोषणा के बाद इसमें तेज खरीदारी देखी गई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में भी 2.88 प्रतिशत की तेजी आई। साथ ही, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रमुख बढ़त वाले शेयरों में शामिल रहे।

दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रेंट और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा, ''यह तेजी मुख्य रूप से विभिन्न क्षेत्र के दबावग्रस्त शेयरों, खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज में आए सुधार की उपज रही। साथ ही, वैश्विक अधिग्रहण से जुड़ी खबरों के बाद दवा कंपनियों में तेज खरीदारी देखी गई, जिससे बाजार को अतिरिक्त समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता में संभावित प्रगति से जुड़ी उम्मीदों ने भी वैश्विक निवेशकों की धारणा को मजबूत किया। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों का ऊंचे स्तर पर बने रहना बाजार के लिए एक जोखिम कारक बना हुआ है। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक दो प्रतिशत चढ़ गया जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 1.35 प्रतिशत की तेजी पर रहा।

बाजार में चौतरफा तेजी के बीच सभी क्षेत्रवार सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। इसकी अगुवाई जन केंद्रित सेवाओं ने 2.50 प्रतिशत तेजी के साथ की जबकि स्वास्थ्य देखभाल खंड में 2.43 प्रतिशत और फोकस आईटी खंड में 2.41 प्रतिशत की बढ़त रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,075 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 1,288 शेयरों में गिरावट रही और 193 अन्य अपरिवर्तित रहे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट में रहा।

डॉलर के मुकाबले रुपया एक पैसा बढ़कर 94.15 पर

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ 94.15 (अस्थायी) पर बंद हुआ। वैश्विक अनिश्चितता, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच निवेशकों की धारणा प्रभावित होने के बावजूद रुपया बढ़त में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपया ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपनी शुरुआती गिरावट की भरपाई की, लेकिन कुल मिलाकर रुझान नकारात्मक बना हुआ है क्योंकि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने घरेलू मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.25 पर खुला। कारोबार के दौरान इसने डॉलर के मुकाबले 94.11 का ऊपरी स्तर और 94.28 का निचला स्तर छुआ। रुपया अंत में 94.15 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सिर्फ एक पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को 15 पैसे टूटकर 94.16 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''क्षेत्रीय मुद्राओं में तेजी के साथ रुपये ने पांच सत्रों की गिरावट के सिलसिले को तोड़ दिया। हालांकि, बाजार में अभी भी आशंका का माहौल है।

बाजार 94.30 के आसपास भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप और कच्चे तेल की उच्च कीमतों के लिए खुद को तैयार कर रहा है।'' इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत गिरकर 98.32 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 2.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 107.82 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

अमेजन नाउ का अब 100 शहरों में होगा विस्तार

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की कंपनी अमेजन ने अपनी क्विक कॉमर्स सेवा अमेजन नाउ का भारत के 100 शहरों तक विस्तार करने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी ने हालांकि इस विस्तार को पूरा करने के लिए कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई है। अमेजन नाउ सेवा वर्तमान में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई और बेंगलुरु में उपलब्ध है। कंपनी ने बयान में कहा कि वह अपनी विशेष पूर्ति अवसंरचना को बढ़ाएगी और त्वरित वाणिज्य की अपनी महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए 1,000 से अधिक सूक्ष्म पूर्ति केंद्रों तक विस्तार करेगा। यह विस्तार योजना अमेजन इंडिया द्वारा पिछले सप्ताह घोषित 2,800 करोड़ रुपये (करीब 30 करोड़ डॉलर) के निवेश का हिस्सा है। अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष (एवरीडे एसेंशियल्स) हर्ष गोयल ने कहा, '' हमने अपने विस्तार की योजना को और तेज कर दिया है तथा 1000 से अधिक 'माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर' के नेटवर्क के जरिये अमेजन नाउ को 100 शहरों तक पहुंचाएंगे।'' उन्होंने कहा कि इस विस्तार से 16,000 से अधिक किसानों को भी अमेजन की प्रौद्योगिकी और संचालन का उपयोग कर अपने ताजे उत्पाद सीधे ग्राहकों को बेचने का अवसर मिलेगा। बयान के अनुसार, अमेजन नाउ का विस्तार पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, जयपुर, लखनऊ, कानपुर, चंडीगढ़, अहमदाबाद, मेरठ, मैसूर, पानीपत, कोच्चि, अमृतसर, मैंगलुरु और विशाखापत्तनम सहित कई अन्य शहरों में किया जाएगा।

पश्चिम एशिया संकट के बीच बासमती चावल निर्यातकों ने की निर्यात शुल्क पर सरकारी हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली। बासमती चावल किसान एवं निर्यातक विकास मंच (बीआरएफईडीएफ) ने सरकार से कुछ निर्यात शुल्क पर तत्काल हस्तक्षेप करने का सोमवार को आग्रह किया। बीआरएफईडीएफ ने इन शुल्क को मनमाना और अपारदर्शी करार दिया जिससे कई व्यापारियों के लिए निर्यात व्यावसायिक रूप से अव्यवहार्य हो गया है। मंच के अनुसार, युद्ध-जोखिम अधिभार 800 डॉलर से 6,000 डॉलर प्रति कंटेनर तक रहा है, जो अक्सर बिना पूर्व सूचना के लगाया जाता है या माल भेजे जाने के बाद संशोधित किया जाता है। कुछ मामलों में कुल शुल्क माल के मूल्य के 60 से 70 प्रतिशत तक होता है।

बीआरएफईडीएफ की चेयरपर्सन प्रियंका मित्तल ने एक बयान में कहा, '' निर्यातकों से उन परिस्थितियों के लिए असीमित वित्तीय बोझ उठाने को कहा जा रहा है जिन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है।'' पश्चिम एशिया संकट के कारण शिपिंग कंपनियों ने एकतरफा रूप से माल को जेबेल अली (संयुक्त अरब अमीरात), सोहर तथा सलालाह (ओमान) जैसे बंदरगाहों की ओर मोड़ दिया है। कंटेनर को 'ट्रांसशिपमेंट' केंद्रों

पर आगे की आवाजाही की स्पष्टता के बिना रोक दिया है और कुछ मामलों में उन्हें मूल बंदरगाहों पर वापस भेज दिया है।

निर्यातकों का कहना है कि इन फैसलों की पूरी वित्तीय लागत उन्हें ही उठानी पड़ रही है जबकि इन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। बीआरएफईडीएफ ने मांग की कि मंत्रालय शुल्क को केवल दी गई सेवाओं से जोड़े, शिपिंग कंपनियों को विवादित शुल्क से जोड़कर कंटेनर रोकने के बजाय उन्हें जारी करने के लिए बाध्य करे और भू-राजनीतिक व्यवधानों के दौरान माल ढुलाई के लिए स्पष्ट नियामकीय दिशानिर्देश बनाए। मंच ने स्वीकार किया कि भारत के महानिदेशालय शिपिंग ने निर्यातकों की शिकायतों को औपचारिक रूप से दर्ज किया है और उन्हें अंतर-मंत्रालयी समूह को भेजने के लिए 'ट्रैकिंग नंबर' दिए हैं लेकिन जमीनी स्थिति अब भी ''बेहद चुनौतीपूर्ण'' बनी हुई है। मंच के अनुसार, छोटे निर्यातक सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। बड़े वैश्विक शिपिंग संचालकों और व्यक्तिगत व्यापारियों के बीच सौदेबाजी की शक्ति में बड़ा असंतुलन है, जिससे कई निर्यातकों के पास विकल्प सीमित रह गए हैं। कुछ का कहना है कि बढ़ते शुल्क के कारण उन्हें माल छोड़ने तक पर विचार करना पड़ रहा है। मित्तल ने कहा, '' यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो ऐसी प्रथाएं एक मिसाल बन सकती हैं जो भारत के समुद्री व्यापार ढांचे में विश्वास को कमजोर कर सकती हैं।''

बिजली की अधिकतम मांग रविवार को घटकर 238 गीगावाट पर

नई दिल्ली। देश में अधिकतम बिजली मांग रविवार को घटकर 238.15 गीगावाट (जीडब्ल्यू) रह गई। शनिवार को यह रिकॉर्ड 256 गीगावाट रही थी। अधिकतर वाणिज्यिक और औद्योगिक प्रतिष्ठानों का रविवार को बंद रहना इसकी मुख्य वजह रही। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में पूरी की गई अधिकतम बिजली मांग (एक दिन में सबसे अधिक आपूर्ति) 237.21 गीगावाट रही जिससे 0.93 गीगावाट की कमी दर्ज की गई। इस प्रकार कुल अधिकतम मांग 238.15 गीगावाट रही। अधिकतम बिजली मांग शनिवार को रिकॉर्ड 256 गीगावाट तक पहुंच गई थी जो एक दिन पहले (शुक्रवार) 252.07 गीगावाट थी। पिछले वर्ष गर्मियों में अधिकतम बिजली मांग जून 2025 में 242.77 गीगावाट रही थी जो सरकार के 277 गीगावाट के अनुमान से कम थी। वहीं 2024 में मई में रिकॉर्ड 250 गीगावाट और 2023 में सितंबर में सर्वाधिक 243.27 गीगावाट मांग दर्ज की गई थी।

बिजली संयंत्र में विस्फोट दुखद घटना संचालन व रखरखाव का जिम्मा एनटीपीसी-जीई के पास: अग्रवाल

नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के बिजली संयंत्र में हुआ विस्फोट एक दुखद घटना है और उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है। घटना के लगभग दो सप्ताह बाद उन्होंने यह भी कहा कि संयंत्र के संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) की पूरी जिम्मेदारी एनटीपीसी और जीई की संयुक्त उद्यम एनजीएसएल को सौंपी गई थी।

अग्रवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' हमारे एथेना संयंत्र में हमने सुरक्षा के उच्चतम मानक लागू किए थे। संचालन एवं रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी एनजीएसएल को दी गई थी जो एनटीपीसी एवं जीई के बीच साझेदारी है और भारत की सबसे भरोसेमंद संस्थाओं में एक मानी जाती है। ठेकेदार, दल और तकनीकी विशेषज्ञता...सभी उन्हीं के थे। इसी भरोसे पर हमने संयंत्र का संचालन और रखरखाव उन्हें सौंपा था। फिर भी यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई।'' उन्होंने इसकी तुलना वाहन मालिक के भरोसेमंद चालक को गाड़ी सौंपने से करते हुए कहा कि कभी-कभी सभी सावधानियों के बावजूद हादसे हो जाते हैं। चेयरमैन ने कहा, '' वेदांता में हर अनुबंध में सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यही प्रतिबद्धता एनटीपीसी और जीई की भी रही है। इसके बावजूद जब ऐसी त्रासदी होती है तो यह बेहद दुखद है।''

गौरतलब है कि 14 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के सिंहितराई गांव स्थित वेदांता के बिजली संयंत्र में बॉयलर से टरबाइन तक उच्च दबाव की भाप ले जाने वाली स्टील ट्यूब में विस्फोट हुआ था। इसमें 25 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। वेदांता ने जान गंवाले वालों के घरवालों को 35 लाख रुपये मुआवजा एवं रोजगार सहायता तथा घायलों को 15 लाख रुपये देने की घोषणा पहले ही कर दी है। इस घटना के संबंध में छत्तीसगढ़ पुलिस ने अग्रवाल सहित अन्य के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है।

गृहणियों को सम्मान में फिल्म बनाएंगे अक्षय कुमार

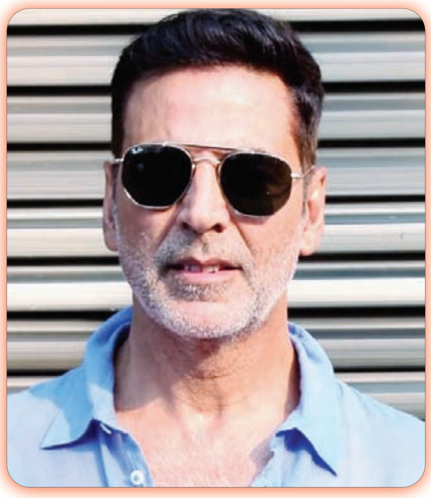

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने नए क्विज रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून के सेट पर एक दिल छू लेने वाली घोषणा की। अक्षय कुमार ने भारत की गृहणियों को सम्मान देते हुए उन्हें घर का सुपरस्टार का खिताब दिया। उनकी प्रेरणादायक जिंदगी पर एक फिल्म बनाने की अपनी प्रबल मंशा व्यक्त की। अक्षय कुमार, जो इस लोकप्रिय शो के होस्ट हैं, ने यह घोषणा शो के दौरान की, जब सेट पर तुम हो ना नामक दूसरे रियलिटी शो की प्रतियोगी अंकिता, पूजा और दिव्या भी मौजूद थीं। इन तीनों महिलाओं से बातचीत करते हुए अक्षय ने अपनी फिल्म की परिकल्पना साझा की। उन्होंने बताया, बहुत समय से मैं एक फिल्म बनाने की कोशिश कर रहा हूं। यह फिल्म महिलाओं पर आधारित होगी, जहां पूरी दुनिया उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरे पास इसकी पूरी स्क्रिप्ट तैयार पड़ी है। बस मैं इंतजार कर रहा हूं कि कोई इस फिल्म को बनाने के लिए तैयार हो जाए। अक्षय कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि घर संभालने वाली महिलाओं की अनदेखी मेहनत, त्याग और उनके अटूट जज्बे को वह बड़े पर्दे पर लाना चाहते हैं। उनका मानना है कि इन महिलाओं का योगदान अक्सर समाज में कम आंका जाता है, जबकि वे अपने परिवारों और समाज की रीढ़ होती हैं। अभिनेता ने गृहणियों की ताकत, उनके समर्पण और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली चुनौतियों को फिल्म में ईमानदारी से दिखाने की इच्छा जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी तरह से तैयार है, लेकिन अभी तक प्रोडक्शन हाउस या निर्देशक को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, जिसके लिए वह सही अवसर का इंतजार कर रहे हैं। तुम हो ना शो में अंकिता, पूजा और दिव्या की यात्रा ठीक उसी विषय को छूती है जिसे अक्षय अपनी फिल्म में पेश करना चाहते हैं, यानी आम महिलाओं की असाधारण शक्ति और उनका संघर्ष। अक्षय की यह बात सेट पर मौजूद सभी लोगों को बेहद प्रभावित कर गई और सभी ने उनकी इस सोच का जमकर समर्थन किया। यह दिखाता है कि अक्षय कुमार न केवल मनोरंजक फिल्में बनाने में विश्वास रखते हैं, बल्कि समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों और अछूते नायकों की कहानियों को भी उजागर करने के इच्छुक हैं। टेलीविजन पर भी अक्षय कुमार की सक्रियता बढ़ रही है।

केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं : काजोल

मुंबई। अक्सर सोशल मीडिया पर अपने अनोखे रिलेशनशिप ट्रेंड्स और नए स्लैंग के कारण चर्चा में रहने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने जेनजी को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। काजोल ने एक पॉडकास्ट का क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी और जेनजी के बीच के बुनियादी अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि कैसे जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। काजोल का मानना है कि आज की युवा पीढ़ी को इंटरनेट से मिलने वाले शोर से बाहर निकलकर खुद के लिए फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। उनका तर्क है कि केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं है, बल्कि अपने मूल्यों और सीमाओं को खुद परिभाषित करना ही असल परिपक्वता है। काजोल ने अपने दौर से तुलना करते हुए कहा, मुझे लगता है कि जेनजी इस समय जानकारी के ओवरलोड से गुजर रही है। हम ऐसे समय में बड़े हुए जब जानकारी बहुत सीमित हुआ करती थी। इसलिए हमें अपनी नैतिकता, सीमाएं और सही-गलत का फैसला खुद अपनी सोच से करना पड़ता था। अभिनेत्री ने आगे बताया कि आज के युवाओं के पास हर चीज के बारे में जवाब उपलब्ध हैं। हर कोई जानता है कि क्या सही है और क्या गलत है, लेकिन वे इस जानकारी के अंबार में इस कदर खोए हुए हैं कि वे यह तय नहीं कर पा रहे कि उनके लिए व्यक्तिगत रूप से क्या सही है और क्या मायने रखता है। काजोल ने इस बात पर जोर दिया कि अंततः हर व्यक्ति को अपने लिए खुद ही निर्णय लेने पड़ते हैं, चाहे कितनी भी बाहरी जानकारी क्यों न उपलब्ध हो। उन्होंने कहा, आप चाहे जितनी भी चिंता कर लें या जानकारी जुटा लें, लेकिन आखिर में आपको अपना मन खुद ही बनाना होगा। काजोल ने अपने दोनों बच्चों, बेटी निसा देवगन और बेटा युग देवगन को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि उनके दोनों बच्चे जानकारी को अलग-अलग तरीके से प्रोसेस करते हैं और उनका नजरिया भिन्न है। उन्होंने कहा, मेरे दोनों बच्चे अपनी जानकारी अलग-अलग तरीके से प्रोसेस करते हैं। मुझे लगता है कि लड़कों की जिंदगी अक्सर थोड़ी ज्यादा सीधी-सादी होती है। वे सूचनाओं को सरलता से लेते हैं, लेकिन लड़कियों पर समाज, सोशल मीडिया और सूचनाओं का दबाव या बोझ कहीं ज्यादा होता है। उन्हें कई पैमानों पर खुद को परखना पड़ता है और लगातार अपनी पहचान साबित करनी पड़ती है।

प्रियंका चोपड़ा के हाथ लगी नई बायोपिक, खास कैमियो रोल में आएंगी नजर

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच उनकी एक और फिल्म से जुड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि भारत दौरे के दौरान उन्होंने एक नई बायोपिक फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका इस फिल्म में एक खास कैमियो भूमिका में नजर आएंगी, जिसे बेहद गोपनीय तरीके से शूट किया गया। सूत्रों के अनुसार इस फिल्म का नाम 'अमरी' है, जो प्रसिद्ध हंगेरियन-भारतीय चित्रकार अमृता शेर-गिल के जीवन पर आधारित है। फिल्म में अमृता के भारत, हंगरी और फ्रांस से जुड़े जीवन के विभिन्न पहलुओं को दिखाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस विशेष भूमिका के लिए प्रियंका से पिछले साल संपर्क किया गया था और उन्होंने हाल ही में मुंबई में इसकी शूटिंग पूरी की। फिल्म का निर्माण प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी फिल्मकार मीरा नायर कर रही हैं। वहीं अमृता शेर-गिल की मुख्य भूमिका में अभिनेत्री तान्या मानिकतला नजर आएंगी। निर्माताओं का मानना है कि प्रियंका की मौजूदगी फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूती देगी, क्योंकि उनकी वैश्विक पहचान दर्शकों के बीच पहले से ही स्थापित है। अमृता शेर-गिल को 20वीं सदी की सबसे प्रभावशाली कलाकारों में गिना जाता है और उन्हें आधुनिक भारतीय कला का अग्रदूत माना जाता है। बहुत कम उम्र में उन्होंने अपनी कला से अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की थी। अब उनके जीवन पर बन रही यह फिल्म कला और सिनेमा प्रेमियों के लिए खास मानी जा रही है, जबकि प्रियंका की इसमें मौजूदगी ने इस परियोजना को और चर्चा में ला दिया है।

'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरू

रोहित शेट्टी की लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'गोलमाल 5' एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। फिल्म की शूटिंग इन दिनों ऊटी (तमिलनाडु) में चल रही है। इस बार फिल्म में अभिनेता अजय देवगन के साथ अक्षय कुमार भी नजर आएंगे, जिससे फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ा एक मोशन वीडियो शेयर किया है, जिसमें पूरी स्टारकास्ट एक खास अंदाज में दिखाई दे रही है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि इस बार सफर और मनोरंजन दोनों पहले से बड़ा होने वाला है। वीडियो में अजय के साथ अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, शरमन जोशी और श्रेयस तलपड़े नजर आ रहे हैं। 'गोलमाल' फ्रेंचाइजी की पहचान उसकी कॉमिक टाइमिंग और कलाकारों की दमदार केमिस्ट्री रही है।

'इंस्पेक्टर अविनाश' सीजन 2 का ऐलान

अभिनेता रणदीप हुड्डा की चर्चित वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। पहले सीजन को 2023 में जियो हॉटस्टार पर दर्शकों ने खूब सराहा था। अब निर्माताओं ने नए सीजन का टीजर जारी करते हुए एक बार फिर दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा दी है। करीब 40 सेकेंड का टीजर एक्शन और रोमांच से भरपूर नजर आता है। इसमें विस्फोटक टकराव, बढ़ते खतरे और कठिन परिस्थितियों का संकेत मिलता है, जिससे साफ है कि इस बार कहानी और ज्यादा तीव्र और चुनौतीपूर्ण होने वाली है। सीरीज 1990 के दशक के उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां अपराध और कानून के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्माण जियो स्टूडियोज के साथ नीरज पाठक और कृष्ण चौधरी ने किया है, जबकि निर्देशन भी नीरज पाठक ने संभाला है। नए सीजन में उर्वशी रौतेला, अमित सियाल, रजनीश दुग्गल, अभिमन्यु सिंह, शालीन भनोट और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिलहाल इसकी रिलीज डेट की घोषणा का इंतजार किया जा रहा है।

ईरान ने अमेरिका को होर्मुज खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा

वाशिंगटन। ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव व्हाइट हाउस को मिल गया है। ईरान और अमेरिका के बीच मूंछ की लड़ाई बन चुके होर्मुज के बंद होने से सारी दुनिया परेशान है। तेल और गैस के संकट ने कई देशों को संकट में डाल दिया है। तेल और गैस से लदे जहाज गुजर नहीं पा रहे हैं। महत्वपूर्ण और रणनीतिक इस जलमार्ग पर ईरान और अमेरिकी की आंखें निगहबान हैं। कई देश दोनों देशों के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। पाकिस्तान में तो एक बार बातचीत भी हो चुकी है। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सैन्य विराम बढ़ा चुके हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बातचीत का दूसरा चरण शुरू नहीं हो पाया है। दोनों को मनाने के लिए मध्यस्थ देशों के प्रयास जारी हैं। अमेरिकी न्यूज पोर्टल एक्सियोस और संयुक्त अरब अमीरात के अंग्रेजी अखबार द नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने और होर्मुज को फिर से खोलने पर जोर दिया है। प्रस्ताव का मुख्य फोकस वैश्विक ऊर्जा संकट को कम करना और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को खत्म करना बताया जा रहा है। इसमें ईरान ने शर्त रखी है कि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को बाद के चरण में शुरू किया जाए। प्रस्ताव व्हाइट हाउस पहुंच तो चुका है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ट्रंप प्रशासन इस पर आगे बढ़ेगा या नहीं? व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने कहा कि अमेरिका ऐसे संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दों पर मीडिया के जरिए बातचीत नहीं करेगा। साथ ही अमेरिका किसी भी समझौते में अपनी प्राथमिकताओं से समझौता नहीं करेगा और ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रस्ताव ऐसे समय पर आया है जब दोनों देशों के बीच बातचीत लगभग ठप है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी थी। इस यात्रा को शांति वार्ता का अहम हिस्सा माना जा रहा था। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान से लगातार बातचीत कर रहे हैं। वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से बात कर रूस पहुंच गए हैं। वहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होने वाली है। एक अमेरिकी अधिकारी और बातचीत से परिचित दो सूत्रों ने पुष्टि की है कि ईरान ने अमेरिका के सामने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। तीन अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ट्रंप सोमवार को अपनी शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति टीम के साथ ईरान पर 'सिचुएशन रूम' में एक बैठक करने वाले हैं। एक सूत्र ने बताया कि अराघची ने सप्ताहांत में पाकिस्तान, मिस्त्र, तुर्किये और कतर के मध्यस्थों को यह स्पष्ट कर दिया कि अमेरिकी मांगों को कैसे पूरा किया जाए, इस पर ईरानी नेतृत्व के भीतर कोई आम सहमति नहीं है। अमेरिका चाहता है कि ईरान कम से कम एक दशक के लिए यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को रोक दे और अपने संवर्धित यूरेनियम को देश से बाहर भेज दे।

कनाडा में युवक ने सिख व्यक्ति पर किया हमला, बोला-'मेरे देश से निकल जाओ'

टोरंटो। कनाडा में एक युवक ने एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति पर हमला कर दिया और नस्लवादी टिप्पणियां करते हुए कहा-"मेरे देश से बाहर निकलो" जिसके बाद पुलिस ने इसे 'घृणा से प्रेरित हमला' मानते हुए जांच शुरू कर दी है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। वुडस्टॉक पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह घटना 22 अप्रैल को ओंटारियो के वुडस्टॉक की है और युवक पर अपने कृत्यों के लिए कई आरोप लगाए गए हैं। बयान में कहा गया कि बुजुर्ग फुटपाथ पर चल रहे थे तभी एक युवक ने उन्हें धक्का दे दिया। पुलिस के मुताबिक युवक ने पीड़ित को उनकी नस्लीय पहचान के आधार पर निशाना बनाया और टिप्पणियां की व अपशब्द कहे। पीड़ित को कोई चोट नहीं आई है। जांच में यह पाया गया कि युवक ने बिना किसी उकसावे के बुजुर्ग पर हमला किया। बयान में कहा गया कि हमले के बाद युवक टर्टल आइलैंड स्कूल की बाड़ फांदकर परिसर में घुस गया और फिर वहां से निकल भागा। इसमें कहा गया कि उसने किसी विद्यार्थी को निशाना नहीं बनाया। पुलिस ने बताया, "जांच के बाद घृणा से प्रेरित हमले के आरोप में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। जमानत सुनवाई तक उसे हिरासत में रखा गया है।" वुडस्टॉक पुलिस ने बताया कि इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें युवक बार-बार नस्लवादी टिप्पणी करता सुनाई दे रहा है। वीडियो में उसे कहते सुना जा सकता है-"तुम मेरे देश में क्या कर रहे हो?, तुम यहां के नहीं हो, मेरे देश से निकल जाओ।" पुलिस ने कहा, "हमारे समाज में नफरत की कोई जगह नहीं है। हम समुदाय के हर सदस्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जो भी घृणा से प्रेरित किसी घटना का शिकार हो, वह पुलिस को सूचित करे। पुलिस ने यह भी कहा कि ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस बीच विश्व सिख संगठन ने 'एक्स' पर जारी बयान में इस घटना पर गहरी चिंता जताई और हमले को अस्वीकार्य बताया। संगठन ने त्वरित कार्रवाई के लिए वुडस्टॉक पुलिस का आभार जताया। संगठन ने कहा, "हमारी हालिया सिख-विरोधी रिपोर्ट बताती है कि ऐसी घटनाएं एक व्यापक और चिंताजनक पैटर्न का हिस्सा हैं। सही समय पर सूचना, जन जागरुकता और संस्थानों की समन्वित कार्रवाई जरूरी है। अगर आप घृणा आधारित अपराध का शिकार हों तो पुलिस और संगठन को जरूर सूचित करें।

पोप और कैंटरबरी की आर्चबिशप की ऐतिहासिक मुलाकात

वेटिकन सिटी। पोप लियो चौदहवें ने सोमवार को वेटिकन में कैंटरबरी की आर्कबिशप सारा मुलाली के साथ प्रार्थना की और यह संकल्प जताया कि मतभेद "चाहे कितने ही जटिल क्यों न हों", उन्हें दूर करने के प्रयास जारी रहेंगे। यह मुलाकात ऐतिहासिक मानी जा रही है, क्योंकि सारा मुलाली चर्च ऑफ इंग्लैंड की पहली महिला प्रमुख और वैश्विक एंग्लिकन कम्यूनियन की आध्यात्मिक नेता हैं। ईसाई धर्म के इन दो प्रमुख धार्मिक नेताओं के बीच यह मुलाकात कुछ वर्ष पहले तक अकल्पनीय मानी जाती थी, खासकर महिलाओं के शीर्ष पद पर अभिषेक और मुलाली की नियुक्ति को लेकर दोनों चर्चों के बीच मतभेदों के कारण। पोप ने स्वीकार किया कि दोनों चर्चों के संबंधों में "नए मुद्दे" जुड़ गए हैं, जो पहले से मौजूद ऐतिहासिक मतभेदों के साथ जुड़े हुए हैं। इसके बावजूद उन्होंने पूर्व पोप परंपरा को जारी रखते हुए चर्चों के एकीकरण के प्रयास जारी रखने का वादा किया। एंग्लिकन चर्च 1534 में हेनरी अष्टम के समय रोम से अलग हो गया था, जब उनके विवाह को निरस्त करने से इनकार कर दिया गया था। 1960 के दशक से औपचारिक धर्मशास्त्रीय संवाद शुरू होने के बावजूद, महिलाओं को पादरी बनाने जैसे मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। रोमन कैथोलिक चर्च में यह पद केवल पुरुषों के लिए आरक्षित है। लियो ने पोप फ्रांसिस का हवाला देते हुए कहा कि यदि मतभेदों के कारण वे अपने साझा उद्देश्य, 'मसीह का संदेश फैलाने' को पूरा नहीं करते, तो यह 'गलत' होगा। उन्होंने कहा, "मेरी ओर से मैं जोड़ना चाहूंगा कि यदि हम अपने मतभेदों को दूर करने के लिए प्रयास जारी नहीं रखते, तो यह भी गलत होगा, चाहे वे कितने ही कठिन क्यों न हों।

मैं घबराया नहीं था, देखना चाहता था कि क्या हो रहा है : ट्रंप ने गोलीबारी की घटना पर कहा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि शनिवार रात 'व्हाइट हाउस करेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन' के रात्रिभोज के दौरान होटल के बॉलरूम के बाहर हुई गोलीबारी के बाद जब सुरक्षाकर्मी उन्हें बाहर ले जा रहे थे, तब वह खुद देखना चाहते थे कि आखिर क्या हो रहा है। सीबीएस के '60 मिनट्स' कार्यक्रम में एक साक्षात्कार में ट्रंप ने वाशिंगटन हिल्टन होटल में गोलीबारी के बाद फैली अफरातफरी का पूरा घटनाक्रम बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या गोलियों की आवाज सुनकर वह चिंतित थे, तो ट्रंप ने कहा, "मैं घबराया नहीं था। मैं जिंदगी को समझता हूं। आजकल की दुनिया में कुछ भी हो सकता है।" राष्ट्रपति ने कहा कि वह खुद घटनाक्रम को देखना चाहते थे, संभवतः इसी वजह से 'सीक्रेट सर्विस' के कर्मियों को उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने में समय लग गया। उन्होंने कहा, "मैं देखना चाहता था कि क्या हो रहा है। मैं उनके (सीक्रेट सर्विस के) साथ सहयोग नहीं कर रहा था। मैं जानना चाहता था कि क्या चल रहा है। धीरे-धीरे जब बात समझ में आई, तो लगा कि यह बॉलरूम का शोर नहीं, कुछ और ही मामला है, और गंभीर है।" ट्रंप ने घटना को याद करते हुए कहा, "मैं एक सजग टीम के मजबूत घेरे में था, लेकिन सच कहूं तो मैंने उनकी मुश्किलें बढ़ा दीं। मैं कहता रहा, ठहरो, एक मिनट ठहरो।" उन्होंने कहा कि जब वह मंच से बाहर निकल रहे थे, तब सुरक्षाकर्मी बार-बार उनसे नीचे झुकने की गुजारिश कर रहे थे। ट्रंप ने कहा, "मैं चलने लगा और उन्होंने कहा, कृपया नीचे झुकिए, कृपया फर्श की ओर झुकिए। तो मैं झुक गया और मेलानिया भी झुक गईं।" साक्षात्कार के दौरान कुछ तीखे पल भी आए, जब ट्रंप से हमले से पहले संदिग्ध द्वारा अपने परिवार को भेजे गए एक संदेश में उनके बारे में लिखी बातों पर सवाल किया गया। ट्रंप ने कहा, "मुझे पहले से पता था कि आप यह पढ़ेंगे, क्योंकि आप लोग ऐसे ही हैं।" उन्होंने कहा, "हां, उसने यह लिखा, लेकिन मैं बलात्कारी नहीं हूं। मैंने वह संदेश पढ़ा है, वह एक बीमार आदमी है। '60 मिनट्स' जैसे कार्यक्रम में ऐसी बातें पढ़ना शोभा नहीं देता, लेकिन चलिए साक्षात्कार जारी रखते हैं।" जब साक्षात्कारकर्ता ने पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि हमलावर विशेष रूप से उन्हें निशाना बना रहा था, तो ट्रंप ने कहा, "मैं कोई बच्चों का शोषण करने वाला व्यक्ति नहीं हू३आप किसी दिमागी रूप से बीमार इंसान की बकवास पढ़ रहे हैं? मुझे ऐसी चीजों से जोड़ा जा रहा है, जिनका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पूरी तरह बेदाग साबित किया जा चुका है।" अंत में राष्ट्रपति ने 'व्हाइट हाउस करेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन' से अपील की कि वे अगले 30 दिन के भीतर यह रात्रिभोज दोबारा आयोजित करें। ट्रंप ने कहा, "मैं नहीं चाहता कि यह रद्द हो। मुझे लगता है कि किसी कम अक्ल इंसान द्वारा इस तरह के आयोजन को रद्द करवा देना बेहद बुरी बात है।

रूस पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने इस्लामाबाद की अपनी यात्रा को 'सफल' बताया

मॉस्को। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के समाधान के लिए तेहरान और वाशिंगटन में दूसरे दौर की शांति वार्ता पर जारी अनिश्चितता के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची सोमवार को रूस पहुंचे। इस दौरान उन्होंने इस्लामाबाद की अपनी यात्रा को "बहुत फलदायी" बताया और कहा कि पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनका "सार्थक विचार-विमर्श" हुआ। अराघची पिछले तीन दिनों में इस्लामाबाद की अपनी दूसरी यात्रा के बाद रूस पहुंचे। इस्लामाबाद में उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की। अराघची ने सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचने के बाद अपने टेलीग्राम चैनल पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, "हमने पाकिस्तान में अपने मित्रों के साथ सार्थक बातचीत की। यह यात्रा सफल रही। हमने अपनी हालिया बैठकों के निष्कर्षों का आकलन किया और इस बात पर चर्चा की कि बातचीत किस दिशा में और किन परिस्थितियों में आगे बढ़ सकती है।" अराघची ने पश्चिम एशिया में संघर्ष को सुलझाने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता के दूसरे दौर का जिक्र करते हुए कहा, "वार्ता में प्रगति हुई है।" ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना के मुताबिक, अराघची ने कहा, "पहले दौर की वार्ता में कुछ प्रगति होने के बावजूद, अमेरिकी पक्ष के रवैये, उसकी असंगत मांगों और गलत दृष्टिकोण के कारण बातचीत अपने उद्देश्यों तक नहीं पहुंच सकी। इसलिए, मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने के लिए पाकिस्तान में हमारे मित्रों से परामर्श करना आवश्यक था।